सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 30 सितंबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 346, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

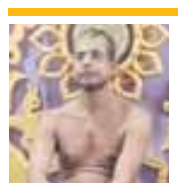

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

एशिया कप में नक़वी से ट्रॉफ़ी न लेने का फ़ैसला किसका था?

बीबीसी न्यूज

एशिया कप 2025 के फ़ाइनल में भारत ने पाकिस्तान को पाँच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। लेकिन जीत के तुरंत बाद जो कुछ हुआ, वो क्रिकेट के मैदान पर पहले कभी नहीं हुआ है। भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नक़वी से ट्रॉफ़ी लेने से इनकार कर दिया।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बाद में कहा कि खिलाड़ियों ने यह फ़ैसला पहले से ही कर रखा था। मैच में पाकिस्तान का 147 रनों का लक्ष्य भारत ने 19.4 ओवर में पाँच विकेट खोकर हासिल किया। तिलक वर्मा ने नाबाद 69 रन बनाए और शिवम दुबे ने 33 रनों का योगदान दिया। लेकिन भारत की जीत से ज़्यादा चर्चा इस बात की हुई कि भारतीय खिलाड़ी मंच पर ट्रॉफ़ी लेने नहीं पहुँचे।

जीत के तुरंत बाद होने वाला पुरस्कार वितरण समारोह करीब एक घंटे देर से शुरू हुआ। इस दौरान प्रसारण में पूर्व न्यूज़ीलैंड ऑलराउंडर साइमन डूल ने घोषणा की कि भारतीय टीम न तो पुरस्कार समारोह में हिस्सा लेगी और न ही ट्रॉफ़ी उठाएगी। इसके बाद बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि भारतीय खिलाड़ियों ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी से ट्रॉफ़ी स्वीकार नहीं करने का फ़ैसला लिया है। इसी कारण विजेता टीम मंच पर नहीं आई और ट्रॉफ़ी कप्तान को नहीं दी गई।

तिलक वर्मा (मैन ऑफ द मैच), अभिषेक शर्मा (मैन ऑफ द टूर्नामेंट) और कुलदीप यादव (एमवीपी) अपने-अपने व्यक्तिगत पुरस्कार लेने के लिए मंच पर ज़रूर पहुँचे। लेकिन उन्होंने मोहसिन नक़वी की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। मोहसिन नक़वी मंच पर मौजूद अकेले ऐसे शख्स थे, जिन्होंने भारतीय खिलाड़ियों के लिए तालियाँ तक नहीं बजाई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एसीसी और स्टेडियम प्रबंधन यह तय करने की कोशिश कर रहे थे कि विजेता टीम को ट्रॉफ़ी कौन देगा।अचानक ही समारोह रुक गया और आयोजकों ने ट्रॉफ़ी को ड्रेसिंग रूम में ले जाकर रख दिया गया। भारत ने ट्रॉफ़ी तो नहीं ली, लेकिन मैदान पर खिलाड़ियों ने जीत का जश्न अपने अंदाज़ में मनाया। फ़ाइनल से एक दिन पहले मोहसिन नक़वी ने एक बयान में कहा था, 'मैं एक शानदार फाइनल देखने के लिए उत्साहित हूँ और विजेता टीम को ट्रॉफ़ी सौंपने का इंतज़ार कर रहा हूँ।' भारत की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर टीम को बधाई दी। उन्होंने अपने पोस्ट में 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए लिखा 'खेल के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर' नतीजा वही है - भारत जीतता है। हमारे क्रिकेट खिलाड़ियों को बधाई। ''इस पोस्ट पर एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी ने एक्स पर प्रतिक्रिया स्वरूप उसे रीपोस्ट करते हुए लिखा, 'अगर युद्ध आपके गर्व का पैमाना है, तो इतिहास पहले ही भारत की पाकिस्तान के हाथों मिली बेइज़्ज़ती की हार को दर्ज कर चुका है और कोई क्रिकेट मैच उस सच को नहीं बदल सकता। युद्ध को खेल में घसीटना निराशा और खेल भावना का अपमान है।' भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रॉफ़ी न लेने के फ़ैसले पर कहा कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। सूर्यकुमार ने इसे टीम का सामूहिक फ़ैसला बताया। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने साफ़ कहा कि भारतीय टीम ने पाकिस्तान के नेता और एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी से ट्रॉफ़ी न लेने का फ़ैसला किया है और इस पर आईसीसी सम्मेलन में आधिकारिक विरोध दर्ज कराया जाएगा। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि ऐसा कभी नहीं देखा कि चैंपियन टीम को ट्रॉफ़ी न दी गई हो। वो भी ऐसी ट्रॉफ़ी जिसे मेहनत से जीता गया हो। हम इसके हक़दार थे. मैं और कुछ नहीं कह सकता, मैंने अपनी बात साफ़ कर दी है। जब एक पत्रकार ने पूछा कि मोहसिन नक़वी से ट्रॉफ़ी न लेने का फ़ैसला आधिकारिक था या नहीं, तो सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'यह फ़ैसला हमने मैदान पर ही लिया, हमें किसी ने नहीं बोला ऐसा करने के लिए। आप जब पूरे टूर्नामेंट में इतना अच्छा खेलते हैं और जीत गए तो ट्रॉफ़ी डिज़र्व करते हैं या नहीं? आप ही बताओ?'

देवजीत सैकिया ने कहा 'हमने एसीसी अध्यक्ष से एशिया कप 2025 ट्रॉफ़ी न लेने का फ़ैसला किया है। वे पाकिस्तान के प्रमुख नेताओं में से एक हैं। इसलिए हमने उनसे इसे न लेने का निर्णय लिया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ट्रॉफ़ी और पदक उनके पास ही रहेंगे। हम आशा करते हैं कि इन्हें जल्द से जल्द भारत को लौटा दिया जाएगा। नवंबर में दुबई में आईसीसी सम्मेलन में हम एसीसी अध्यक्ष के कृत्य के ख़िलाफ़ कड़ा विरोध दर्ज कराएंगे।'

उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई बेहद खुश है और हम भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल में पाकिस्तान को हराने के लिए बधाई देते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीनों मैच एकतरफ़ा रहे। हमारे सशस्त्र बलों ने सीमा क्षेत्र में भी ऐसा ही किया है। दुबई में भी यही हुआ है। भारतीय टीम को 21 करोड़ रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा।'

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के कप्तान सलमान आग़ा से ट्रॉफ़ी विवाद और टीम इंडिया को लेकर पूछे गए सवालो पर उन्होंने कहा कि 'हमारा क्रिटिसिज़्म तो होता ही है। हमें पता है कि इस टूर्नामेंट में हमारी बैटिंग वैसी नहीं रही जैसी होनी चाहिए थी और किन चीज़ों को हमें सुधारना है। हम उसी पर ध्यान देते हैं। बाकी बातों पर हम गौर नहीं करते। भारतीय खिलाड़ियों का हैंडशेक न करना या हमारी नहीं, क्रिकेट की डिसरिस्पेक्ट है। मेरे ख़याल से कोई अच्छी टीम ऐसा नहीं करती। सलमान का दावा है कि भारतीय कप्तान उन्हीं इंस्ट्रक्शंस को फॉलो कर रहे थे जो उन्हें दिए गए थे।'

भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2025 में कुल तीन बार आमने-सामने हुए। पहले दो मैचों में भारत ने आसान जीत दर्ज की। लेकिन इन मुकाबलों में भी मैदान के बाहर काफ़ी तनाव देखने को मिला। शुरुआती मैच से ही भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। उस जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने यह भी कहा था कि यह जीत उन्होंने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों को समर्पित की है। पहले ग्रुप मैच में जब भारत ने जीत दर्ज की, तब टॉस के समय भी दोनों कप्तानों ने रस्मी हैंडशेक नहीं किया। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मैच रेफ़री एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग कर दी थी। इस पर भारतीय कप्तान सूर्य कुमार यादव ने पोस्ट डाली कि कुछ चीज़ें खेल भावना से भी बड़ी होती हैं।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

प्रदेश के हर चौथे बच्चे को की जा रही है आरटीई के तहत फीस की प्रतिपूर्ति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरदा जिले के खिरकिया में विकास कार्यों की दी सौगातें

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार सभी वर्गों के हर चौथे बच्चे को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने की फीस दे रही है। राज्य सरकार ने बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम से लाभान्वित निजी स्कूलों के विद्यार्थियों को अगले सत्र से पाठ्यपुस्तकें और बैग उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश की पहचान आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्य की बन चुकी है। राज्य सरकार ने संपूर्ण प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की है। विद्यार्थियों को स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक राज्य सरकार द्वारा हर संभव मदद दी जा रही है। शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल, ड्रेस और किताबें मिल रही हैं। शाला में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी और 75 प्रतिशत अंक लाने वालों को लैपटॉप प्रदान कर प्रोत्साहित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया है। बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाना उनके बेहतर भविष्य की सुरक्षा है। बच्चे अपना भविष्य बनाते हुए देशभक्त नागरिक बनें, वे डॉक्टर, इंजीनियर और शिक्षक बनें, साथ ही सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी भूमिका निभाएं।

- **आरटीई से लाभान्वित स्कूली बच्चों को अगले सत्र से उपलब्ध कराई जाएंगी पाठ्यपुस्तकें और बैग**
- **बच्चों की बेहतर शिक्षा और भविष्य की सुरक्षा है आरटीई, 489 करोड़ रुपये निजी स्कूलों को किए अंतरित**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को हरदा जिले के खिरकिया में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत राज्यस्तरीय कार्यक्रम में 20 हजार 652 अशासकीय विद्यालयों को 489 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर 72 किलोमीटर लम्बी आशापुर-हरदा सड़क निर्माण की घोषणा भी की। केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके, प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह और पूर्व मंत्री श्री कमल पटेल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने जो कहा है, वो करके दिखाया है।

दो स्कूलों को फीस प्रतिपूर्ति की राशि के सांकेतिक चेक भेंट किये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत प्रदेश के नि:शुल्क प्रवेशित 8 लाख 45 हजार विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति के लिये प्रदेश के 20 हजार से अधिक अशासकीय विद्यालयों को 489 करोड़ रूपये अंतरित किये। उन्होंने इस दौरान शांति निकेतन हायर सेकण्ड्री स्कूल छीपाबड़ को 62 नि:शुल्क प्रवेशित विद्यार्थियों के लिये 4 लाख एक हजार 593 रूपये और सरस्वती शिशु विद्या मंदिर खिरकिया को 59 नि:शुल्क प्रवेशित विद्यार्थियों के लिये 3 लाख 61 हजार 979 रूपये के सांकेतिक चेक वितरित किये। केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उईके ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा, सुशासन, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में नवाचार और पारदर्शिता को प्रोत्साहित किया है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम समाज के कमजोर वर्ग के लिए वरदान की तरह है। इस योजना से गरीब परिवार के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गरीब और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए संकल्पित है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि यह देश और समाज की प्रगति का मार्ग है। शासकीय स्कूलों में अच्छे भवन बने हैं। बच्चों को पौष्टिक मध्यान भोजन मिल रहा है और उन्हें हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा का अधिकार के माध्यम से निजी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों में 70 प्रतिशत विद्यार्थी किसान परिवार से आते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के लिए भावांतर योजना प्रारंभ की है। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है। पूर्व कृषि मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि हरदा जिला सिंचाई से लेकर पेयजल, सड़क एवं बिजली सहित हर क्षेत्र में अग्रणी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हम हर क्षेत्र में विकास करने के लिये कटिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इटली पीएम की ऑटोबायोग्राफी की प्रस्तावना लिखी

- कहा- यह मेलोनी की 'मन की बात', उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणादायक

नईदिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की ऑटोबायोग्राफी 'आई एम जॉर्जिया - माय रूट्स, माय प्रिंसिपल्स' के इंडियन एडिशन के लिए फॉरवर्ड (प्रस्तावना) लिखा है। इस किताब को जल्द ही भारत में रूपा पब्लिकेशंस लॉन्च करेगा। मोदी ने मेलोनी को एक 'देशभक्त और बेहतरीन समकालीन नेता' बताते हुए तारीफ की। साथ ही उनकी निजी और राजनीतिक यात्रा को भारत के लोगों के लिए प्रेरणादायक बताया।

स्कूल, कॉलेजों के हेल्थ एजुकेशन कोर्सेज में जुड़ेगा आयुर्वेद

- एनसीईआरटी और यूजीसी मिलकर तैयार कर रहे कोर्स मॉड्यूल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्राचीन आयुर्वेद ज्ञान को अब स्कूल और कॉलेजों के हेल्थ एजुकेशन कोर्सेज में शामिल किया जाएगा। इसके लिए एनसीईआरटी और यूजीसी मिलकर स्कूल एजुकेशन और हायर एजुकेशन के लिए कोर्स मॉड्यूल तैयार कर रहे हैं। ये जानकारी केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने दी है। उन्होंने कहा कि इससे नई पीढ़ी को स्वास्थ्य के प्राचीन भारतीय ज्ञान से जोड़ा जाएगा।

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी

मूडीज ने भारत की रेटिंग बरकरार रखी

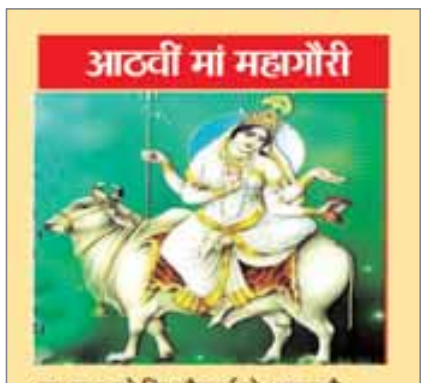

ट्रंप ने झोंक दी पूरी ताकत, लेकिन भारत की साख पर नहीं कोई आंच, अब मूडीज भी बोली- दम है

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को भारत की क्रेडिट रेटिंग बीएए 3 पर 'स्टेबल' आउटलुक के साथ बरकरार रखी है। यह फैसला भारत की मजबूत इकनॉमिक ग्रोथ और स्टेबल एक्सटर्नल फाइनेंस के कारण लिया गया है। इसके पहले 14 अगस्त को एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को एक पायदान बढ़ाकर 'बीबीबी' कर दिया था। भारतीय अर्थव्यवस्था पर ग्लोबल रेटिंग एजेंसियों ने ऐसे समय भरोसा दिखाया है जब उस पर अमेरिका ने भारी-भरकम टैरिफ लगाए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर टैरिफ बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। इसमें रूसी तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत पेनाल्टी शामिल है। ट्रंप ने हाल में भारत को 'डेड इकॉनमी' भी बताया था। लेकिन, अमेरिकी क्रेडिंग रेटिंग एजेंसियों ने ही उन्हें जवाब दे दिया है।एजेंसी ने भारत की लंबी अवधि की स्थानीय और विदेशी-मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग के साथ लोकल-करेंसी सीनियर अनसिक्योर्ड रेटिंग को बीबीए3 पर बनाए रखा।

अमेरी?की टैरिफ का सामना करने का दम-मूडीज ने भारत की शॉर्ट-टर्म लोकल-करेंसी रेटिंग को भी पी-3 पर बनाए रखा। ग?लोबल एजेंसी ने एक बयान में कहा, रेटिंग की पुष्टि और स्थिर आउटलुक हमारे इस विचार को दर्शाता है कि भारत की मौजूदा क्रेडिट ताकतें, जिनमें इसकी बड़ी, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, मजबूत बाहरी स्थिति और राजकोषीय घाटे के लिए स्थिर घरेलू वित्तपोषण आधार शामिल हैं, बनी रहेंगी। उसने आगे कहा कि ये ताकतें बाहरी प्रतिकूल रुझानों से बचाव करती हैं। इनमें ऊंचे अमेरिकी (एए1 स्थिर) टैरिफ और अन्य अंतरराष्टीय नीतियां शामिल हैं। ये नीतियां भारत के मैन्?युफैक्?चरिंग निवेश आकर्षित करने की क्षमता को सीमित कर सकती हैं।

कमजोरियों का भी किया जिक्र

हालांकि, एजेंसी ने भारत की लंबे समय से चली आ रही राजकोषीय कमजोरियों पर भी ध्यान दिया। उसने कहा, मजबूत जीडीपी ग्रोथ और धीरे-धीरे राजकोषीय समेकन से सरकार के ऊंचे कर्ज बोझ में केवल बहुत धीमी कमी आएगी। यह कमजोर कर्ज वहन क्षमता में पर्याप्त सुधार के लिए पर्याप्त नहीं होगा। खासकर इसलिए क्योंकि निजी उपभोग को मजबूत करने के हालिया राजकोषीय उपाय सरकार के राजस्व आधार को कम करते हैं। मूडीज ने यह भी बताया कि भारत की लंबी अवधि की लोकल-करेंसी बॉन्ड सीलिंग ए2 पर अपरिवर्तित है। जबकि इसकी लंबी अवधि की विदेशी-मुद्रा (एफसी) बॉन्ड सीलिंग ए3 पर बनी हुई है। उसने कहा, एलसी सीलिंग और इश्युअर यानी जारीकर्ता रेटिंग के बीच चार-नॉच का अंतर मामूली बाहरी असंतुलन को दर्शाता है।

आठवीं मां महागौरी

वह रूप जो कि सौन्दर्य से भरपूर है, प्रकाशमान है - पूर्ण रूप से सौंदर्य में डूबा हुआ है। प्रकृति के दो छोर या किनारे हैं - एक मां कालरात्रि जो अति भयावह, प्रलय के समान है, और दूसरा मां महागौरी जो अति सौन्दर्यवान, देदीप्यमान, शांत है-पूर्णत: करुणामयी, सबको आशीर्वाद देती हुई।

सुप्रभात

देख लिया इस पार,
पार वो भी देखेंगे।
चलना मेरे साथ,
यार वो भी देखेंगे।।

इस तट पर तुम मिले,
घरौंदा एक बनाया।
रंग बिरंगे पत्थर ढूंढे,
सीप शंख से इसे सजाया।।
आने दो तूफ़ान, नदी की
आज धार वो भी देखेंगे।
देख लिया इस पार,
पार वो भी देखेंगे।।

इतना सुख कि जिसके अंदर,
भीतर का दु:ख हँसता है।
जिस पथ पर हम साथ चले,
वह रस्ता मन में बसता है।
एक बार यह देख लिया, अब
एक बार वो भी देखेंगे।
देख लिया इस पार,
पार वो भी देखेंगे।।

- गोविंद गुंजन

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 30 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मीडिया मिशन था, है और रहेगा : प्रो. संजय द्विवेदी

आबू रोड। ब्रम्हकुमारीज मुख्यालय में चल रहे राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में विशेष संवाद सत्र में भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने कहा कि यह कहना ग़लत है कि मीडिया पहले मिशन था और अब प्रोफेशन है। टीवी पत्रकार बीके ज्योति से बातचीत करते हुए प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि कोई भी समय किसी भी विधा के सिद्धांतों को नहीं बदल सकता। कुछ लोगों के विचलन से मूल्य आधारित पत्रकारिता का मार्ग बंद नहीं होता। यह मिशन थी, है और रहेगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा, शिक्षा, मीडिया जैसे सारे शास्त्र अंततः मिशन ही हैं। कुछ लोगों की बाजारु सोच से मूल्य और सिद्धांत नहीं बदलते। मूल्यनिष्ठा, संवेदनशीलता, जनहित और राष्ट्रीय हित इसकी कसौटी है। प्रो.द्विवेदी का कहना था कि आजादी के आंदोलन के मूल्य ही भारतीय पत्रकारिता के मूल्य हैं, हमें वास्तविक स्वराज को लाने के लिए जतन करने होंगे। तभी भारतीय भाषाओं, वेशभूषा, स्वशासन और भारतीय पद्धतियों का सम्मान होगा। अभी हमारा देश तो स्वतंत्र है पर स्वराज अभी प्रतीक्षित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोक-मंगल ही किसी भी विधा की कसौटी है। इसी में इसकी सार्थकता है।

ट्रंप के बाद अब चीन ने भारतीय दवा उत्पादों पर किया बड़ा ऐलान

30 प्रतिशत आयात शुल्क हटाकर अब शून्य किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। चीन ने भारतीय दवा उत्पादों पर लगने वाला 30 प्रतिशत आयात शुल्क पूरी तरह हटा दिया है। यह फैसला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फार्मा उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने के तुरंत बाद आया। अब भारतीय कंपनियां बिना शुल्क के चीन को दवाएं बेच सकेंगी।

चीन ने भारतीय दवा उत्पादों पर लगने वाला 30 प्रतिशत आयात शुल्क हटाकर पूरी तरह से अब शून्य कर दिया है। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फार्मा आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद आया। अब भारतीय कंपनियां बिना किसी शुल्क के चीन को दवाएं निर्यात कर सकेंगी। इस कदम से भारत की सस्ती दवाओं के लिए चीन एक मजबूत वैकल्पिक बाजार बन सकता है।

आरबीएसके कार्यक्रम के तहत 9 हृदय रोग बच्चों को उपचार के लिए भोपाल किया रवाना

बैतूल । राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के सोमवार को अंतर्गत 9 बच्चों को हृदय रोग चिकित्सा उपचार के लिए भोपाल रवाना किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि विश्व हृदय रोग जागरूकता माह के अंतर्गत 10 सितम्बर 2025 को डीईआईसी जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित हृदय रोग शिविर में बच्चों का चिन्हांकन उच्च संस्था में उपचार के लिए चिन्हित किया गया था। डॉ. हुरमाड़े ने बच्चों के भोपाल उपचार के लिए रबाना होने के पूर्व पालकों से चर्चा की एवं पालकों को बताया कि बच्चों को हृदय रोग की सर्जरी के लिए एलएन मेडिकल कॉलेज भोपाल एवं जेके हॉस्पिटल भोपाल भेजा जा रहा है जहां उनकी निःशुल्क सर्जरी होगी। इस दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश परिहार एवं आरबीएसके मेनेजर योगेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार 5 लोगों की मौत

लखनऊ/हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले से एक बड़ा हादसा सामने आया है। यहां सुरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार करीब ढाई बजे सुरसा तिराहे पर पिकअप की टक्कर से पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो महिलाएं, एक पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, सुरसा थाना क्षेत्र के भिठा के रहने संदीप के लड़के कार्तिक का मुंडन था। गांव एवं रिश्तेदार ट्रैक्टर-ट्राली और बाइकों से बाबा मंदिर गए थे। जहां से मुंडन कराकर वापस आ रहे थे। बताया जा रहा है कि एक बाइक पर संतराम, उसकी पत्नी संगीता, संदीप की पत्नी मोनी, संदीप की बेटी गौरी और राजेश का पुत्र आमू बैठे थे। बाइक संतराम चला रहा था।

राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी

कांग्रेस ने शाह को लेटर लिखा, प्रवक्ता ने टीवी पर कहा था- सीने में गोली मारी जाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 28 सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी, जिसमें पूर्व एबीवीपी नेता की टीवी पर बहस के दौरान राहुल गांधी को जान से

मारने की धमकी देने का जिक्र है। लेटर में कहा गया कि भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ तुरंत कार्रवाई न होना राहुल गांधी के खिलाफ हिंसा में मिलीभगत माना जाएगा। वेणुगोपाल ने अमित शाह को लिखा- यह धमकी किसी छोटे पदाधिकारी की लापरवाही भरा रिएक्शन नहीं है।

बरेली में तौकीर रजा के मार्केट पर चलेगा बुलडोजर

बरेली (एजेंसी)। बरेली बवाल में मौलाना तौकीर रजा की गिरफ्तारी के बाद अब उनकी मार्केट पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। नॉवेल्टी चौराहे पर स्थित इस दो मंजिला मार्केट में 37 दुकानें हैं। बुलडोजर चलाने के लिए मार्केट की दुकानों को खाली करा लिया गया है। इसकी देख-रेख मौलाना तौकीर रजा की पार्टी आईएमसी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नफीस करते हैं। नफीस ने बवाल से

पहले पुलिस के हाथ काटने और वर्दी उतरवाने की धमकी दी थी। अधिकारियों के मुताबिक, मार्केट को नगर निगम की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया है। वहीं, बरेली में अब 30 सितंबर आज तक इंटरनेट बंद कर दिया गया है।

अब तक 34 गिरफ्तार, 26 संदिग्धों से पूछताछ- बरेली पुलिस ने अब तक मौलाना तौकीर रजा समेत कुल 34 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी को जेल भेजा जा चुका है। 26 ऐसे संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

6 जिलों में अपर कलेक्टर का पद प्रभार के सहारे

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में अपर कलेक्टरों के रिक्त पदों पर नियमित पदस्थापना करने के बजाय सरकार इन पदों की जिम्मेदारी प्रभार के तौर पर पूरी कराएगी। शनिवार को आधी रात जारी किए गए राज्य प्रशासनिक सेवा और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसरों के तबादला आदेश में यह संकेत मिले हैं। उधर यह जानकारी सामने आई है कि इस पद के लिए अफसरों की कमी नहीं है। राज्य प्रशासनिक सेवा के कई अधिकारी अभी भी अपर कलेक्टर पद पर प्रमोट होने के बाद संयुक्त कलेक्टर के रूप में ही काम कर रहे हैं। इसके अलावा इस कैडर के अधिकारी दूसरे विभागों में प्रतिनियुक्ति पर हैं पर सरकार इन्हें पदस्थ नहीं कर रही है। शनिवार आधी रात को भारतीय प्रशासनिक सेवा के 18 और राज्य प्रशासनिक सेवा के आठ अफसरों के तबादले किए गए थे।इन आदेश में 6 जिले ऐसे हैं, जहां सीईओ जिला पंचायत के पद पर पदस्थापना करने के साथ सरकार ने इन जिलों में पदस्थ किए गए आईएएस अफसरों को अपर कलेक्टर का प्रभार सौंपा है। सरकार यहां भारतीय प्रशासनिक सेवा या राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर की सीधे पदस्थापना कर सकती थी लेकिन इन आदेशों में यह बात सामने नहीं आई है।

इन अफसरों को मिली जिम्मेदारी -जिन आईएएस अफसर को सीईओ जिला पंचायत के रूप में पदस्थ करने के साथ अपर कलेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई है उसमें वैशाली जैन एसडीएम हुजूर रीवा को सीईओ जिला पंचायत तथा अपर कलेक्टर रतलाम, दिव्यांशु चौधरी एसडीएम डबरा को सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर डिंडोरी, सृजन वर्मा एसडीएम सिंगरौली को सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर बुरहानपुर बनाया गया है। इसी तरह अर्चना कुमारी एसडीएम शुजालपुर जिला शाजापुर को सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर अनूपपुर, शिवम प्रजापति एसडीएम पुनासा खंडवा को सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर शहडोल, सौम्या आनंद सहायक कलेक्टर शहडोल सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर श्योपुर पदस्थ किए गए हैं।

इन की भी हुई नई पदस्थापना - पिछले दिनों जारी आदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा के जिन 18 अधिकारियों को सीईओ जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, अपर संचालक और अनुविभागीय अधिकारी बनाया गया है उनमें संजना जैन सीईओ जिला पंचायत सतना से अपर कलेक्टर मैहर, जगदीश कुमार गोमे उप सचिव संस्कृति विभाग को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिंगरौली, हरसिमरन प्रीत कौर अपर मिशन संचालक राज्य शिक्षा केंद्र को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कटनी, अंजली जोसेफ जोनाथन उप सचिव तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास व रोजगार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरदा पदस्थ किया गया है। इसी तरह सोजान सिंह रावत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ग्वालियर, सृष्टि देशमुख गौड़ा को अपर कलेक्टर खंडवा, निधि सिंह संयुक्त आयुक्त भू अभिलेख को अपर श्रम आयुक्त, हिमांशु जैन सीईओ जिला पंचायत शिवपुरी को सीईओ जिला पंचायत नर्मदापुरम, सर्जना यादव अपर कलेक्टर जबलपुर को सीईओ जिला पंचायत सीहोर पदस्थ किया गया है। साथ ही आकिप खान सहायक कलेक्टर मंडला को एसडीएम पिपरिया जिला नर्मदापुरम, पंकज वर्मा सहायक कलेक्टर सिवनी को एसडीएम पुनासा जिला खंडवा तथा सपना अनुराग जैन अपर कलेक्टर बुरहानपुर को अपर संचालक नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण इंदौर पदस्थ किया गया है।

अफसरों की भरमार; फिर भी सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर का चार्ज एक ही के पास

राज्य प्रशासनिक सेवा के 8 अफसर बने हैं सीईओ जिला पंचायत - सरकार ने 8 जिलों में राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को सीईओ जिला पंचायत बनाया है। इस आदेश में शैलेंद्र सिंह सोलंकी अपर संचालक नर्मदा घाटी विकास को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी और डॉ इच्छित गढ़पाले उप सचिव गृह विभाग को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजगढ़ पदस्थ किया है। इसके साथ ही विजय राज अपर आयुक्त नगर निगम ग्वालियर को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवपुरी पदस्थ किया गया है।

खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर, यहां भी नतीजा वही- भारत जीता : पीएम मोदी

- अच्छा लगता है जब देश का लीडर फ्रंट फुट पर बल्लेबाजी करता है : सूर्य कुमार यादव

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुबई में रविवार को एशिया कप के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा कर नौवीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया है। भारत की जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा- ऑपरेशन सिंदूर खेल के मैदान पर जारी। सूर्या ने कहा- अच्छा लगता है जब देश का लीडर फ्रंट फुट पर बल्लेबाजी करता है भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पीएम मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मीडिया से कहा- अच्छा लगता है जब देश का लीडर फ्रंट फुट पर बल्लेबाजी करता है।

- **हमारे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए एक शब्द भी नहीं बोल रहे हैं :** वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, भारत ने पाकिस्तान को तीन बार हराकर हैट्रिक बनाई और सभी मैच जीते। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने अब तक हमारी विजेता टीम को एक भी बधाई संदेश नहीं दिया है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि अपनी हीन भावना की छाया हमारी क्रिकेट टीम पर न पड़ने दें। कांग्रेस अपने सभी प्रचार में पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए तैयार है, चाहे वह अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति हो, तथाकथित राष्ट्र-विरोधी प्रचार हो, या खेल हो।
- **क्रिकेट मैच की तुलना युद्ध के मैदान से करना ठीक नहीं :** कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक ट्वीट पर निशाना साधते हुए कहा कि क्रिकेट मैच की तुलना युद्ध के मैदान से करना उचित नहीं है। पार्टी ने तंज कसते हुए इसे संघर्ष विराम से जोड़ा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने ट्वीट कर कहा कि क क्रिकेट मैच की तुलना युद्ध के मैदान से करना ठीक नहीं है। दरअसल पीएम मोदी ने एशिया कप जीतने पर टीम इंडिया को बधाई देते हुए लिखा था कि क्रिकेट के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर।

दिल्ली भाजपा को मिला नया दफ्तर

- 'भाजपा हमेशा दिल्ली के हितों के लिए प्रतिबद्ध', उद्घाटन कार्यक्रम में बोले पीएम

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा आज नवरात्र के इन पावन दिनों में दिल्ली भाजपा को अपना नया कार्यालय मिला है। दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई। भाजपा की स्थापना को 45 वर्ष हो गए हैं, लेकिन जिस बीज से भाजपा इतने विशाल वटवृक्ष के रूप में विकसित हुई है, उसका बीजारोपण अक्टूबर 1951 में हुआ था, जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में जनसंघ की स्थापना हुई थी।

मानव तस्करी एवं बाल विवाह रोकथाम के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

बैतूल। चिचोली ब्लॉक के मंगल भवन में मानव तस्करी एवं बाल विवाह की रोकथाम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रदीपन संस्था बैतूल की सचिव श्रीमती रेखा गुजरे के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में 130 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सुपरवाइजरों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास विभाग चिचोली की सुपरवाइजर श्रीमती प्रतिभा धुर्वे, श्रीमती सीमा यादव एवं बेनजीर के स्वागत के साथ हुआ। प्रदीपन संस्था की कार्यकर्ता चारू वर्मा ने बाल विवाह को गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि यह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से अपील की कि यदि कहीं पर नाबालिग विवाह की जानकारी मिले तो वे विवाह रोकने के लिए तुरंत पहल करें और आवश्यकता पड़ने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 112, सीएमपीओ, जिला प्रशासन एवं पंचायत प्रतिनिधियों को सूचना दें। कार्यशाला में बताया कि हर पंचायत में विवाह रजिस्टर रखना अनिवार्य है, ताकि बाल विवाह की रोकथाम में सहयोग मिल सके। साथ ही नाबालिग बच्चों के पलायन एवं संभावित मानव तस्करी पर भी रोक लगाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की जिम्मेदारी दी गई। यह भी कहा कि जो भी व्यक्ति बच्चों को गांव से बाहर काम पर ले जाए, उसकी जानकारी पंचायत एवं पुलिस को दी जाए और रजिस्टर में दर्ज की जाए।

'आई लव मोहम्मद' को लेकर महाराष्ट्र में तनाव

पुलिस ने भांजी लाठियां, हिरासत में 30 लोग

मुंबई (एजेंसी)। अहिल्यानगर में 'आई लव मोहम्मद' विवाद को लेकर हुए प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद कम से कम 30 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, किसी ने नवरात्रि के दौरान मुस्लिम समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक रंगोली बनाई थी। इसके बाद समुदाय के लोग शिकायत करने पुलिस स्टेशन पहुंचे और अपनी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद एक एफआईआर दर्ज की गई और उस रंगोली को बनाने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, लेकिन समूह अभी

भी नहीं माना और उन्होंने तोफखाना पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत कोटला में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। अहिल्यानगर पुलिस ने बताया कि करीब आधे घंटे बाद जब पुलिस ने उन्हें अपना विरोध प्रदर्शन खत्म करने के लिए मनाने की कोशिश की, तो उन्होंने पथराव शुरू कर दिया।

डीएसपी ने की शांति बनाए रखने की अपील- इस घटना के बाद विधायक संग्राम जगताप ने शहर में लगे कुछ होर्डिंग्स हटाने की मांग को लेकर थाने में धरना शुरू कर दिया है। शहर में फैली तरह-तरह की अफवाहों के चलते बाजार की दुकानें बंद रहीं। शहर के डीएसपी दिलीप टिपरसे ने नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

बिहार तक पहुंची 'आई लव मोहम्मद' की आग, घरों में विवादित पोस्टर चिपकाने पर बवाल; एक गिरफ्तार- वैशाली के जढुआ में आई लव मोहम्मद के पोस्टर चिपकाने से तनाव फैल गया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने एक युवक को पकड़ा जिसके बाद भीड़ ने मारपीट की।

करूर भगदड़, राज्य सरकार की कमेटी ने जांच शुरू की

स्टालिन बोले- पब्लिक इवेंट्स के लिए नए नियम बनेंगे, एनडीए का दल भी दौरा करेगा

करूर, तमिलनाडु (एजेंसी)। करूर भगदड़ की जांच रिटायर्ड हाईकोर्ट जस्टिस अरूणा जगदीशन की अध्यक्षता वाली कमेटी को सौंपी गई है। सोमवार को रिटा. जस्टिस करूर सिविल अस्पताल पहुंचीं। घायलों की हाल जाना।

वहीं, सीएम स्टालिन ने कहा कि कमेटी की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों के आयोजित

पब्लिक इवेंट्स (रैली-सभा) के लिए नए नियम बनाए जाएंगे।

सोमवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए के 8 सदस्यीय दल का गठन किया। जो करूर का दौरा करेगा। मथुरा सांसद हेमा मालिनी को दल का कन्वीनर बनाया गया है। अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या भी इसमें शामिल हैं।

तमिल एक्टर विजय की पॉलिटिकल पार्टी टीवीके की चुनावी रैली में 27 सितंबर का शाम भगदड़ मची थी।

लद्दाख में कर्फ्यू के बाद बिगड़े हालात

- 'खाना भी मुश्किल से मिल रहा, पर्यटन पूरी तरह से ठप'
- लेह में इंटरनेट बंद, सैलानी हो रहे हैं परेशान

नईदिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख का पर्यटन उद्योग मुश्किलों से जूझ रहा है। लेह में हुए प्रदर्शनों और सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। पहलगाम हमले के बाद पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई थी लेकिन हालिया प्रदर्शनों ने बुकिंग रद्द करा दी हैं। लेह में कर्फ्यू लगने से कई पर्यटक फंस गए हैं।

हजारों परिवारों की आय पर संकट, सैलानी होटल में फंसे- लद्दाख का पर्यटन उद्योग इस समय बड़ी मुश्किल में है। लेह में हाल ही में हुए प्रदर्शनों और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद हालात और बिगड़ गए।

गरबा खेलते-खेलते हार्ट अटैक से मौत

ओ मेरे ढोलना... गाने पर पति के साथ डांस कर रही थी; झांकी के सामने गिरी

भोपाल/खरगोन (एजेंसी)। खरगोन में दुर्गा पंडाल में गरबा कर रही एक महिला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। महिला अपने पति के साथ ओ मेरे ढोलना गाने पर डांस कर रही थी, तभी झांकी के सामने गिरी और दम तोड़ दिया। घटना खरगोन जिले के भीकनगांव क्षेत्र के ग्राम पलासी की रविवार रात की है। इसका वीडियो सोमवार सुबह सामने आया।

जानकारी के अनुसार, सोनम (19) अपने पति कृष्णपाल के साथ सिंगाजी मंदिर पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने गरबा कर रही थी। नाचते हुए अचानक वह जमीन पर गिर पड़ी। लोगों ने तुरंत उसे उठाया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

लसूड़िया गोलीकांड में नया खुलासा 25 लाख नहीं देना हमले की वजह

● एक आरोपी हाथ आया, दो फरार 10-10 हजार इनाम घोषित

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में भूमाफिया मनोज नागर पर हुए हमले के मामले में पुलिस जांच में बड़ा खुलासा हुआ। घटना से एक दिन पहले ही मनोज और मुख्य आरोपी विनय उर्फ सोनू उर्फ खरगोश के बीच प्लॉट के पैसों को लेकर विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि सोनू को मनोज से 25 लाख रुपए लेने थे, लेकिन मनोज पैसा देने को तैयार नहीं था। मीटिंग में मनोज ने सोनू को भगा दिया, जिससे गुस्से में आकर सोनू ने उसकी हत्या की साजिश रच डाली। हमले में शामिल अमन उर्फ पुष्पेंद्र केसरी पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है, जबकि मुख्य आरोपी सोनू और उसका साथी युवराज उर्फ राज बच्चा फरार हैं। दोनों पर 10-10 हजार का इनाम घोषित किया गया है। पकड़े गए आरोपी ने खुलासा किया कि मनोज, सोनू और एक अन्य सोलंकी ने मिलकर अहिल्या सोसाइटी के प्लॉट्स पर कब्जे और फर्जी दस्तावेज बनाकर खरीदी-बिक्री का धंधा शुरू किया था। मनोज प्लॉट दिखाता था और सोनू कब्जा करवाता था, लेकिन बाद में मनोज ने उसका हिस्सा रोक लिया। बढ़ते विवाद ने आखिरकार गोलीकांड का रूप ले लिया। फिलहाल मनोज की हालत में सुधार है और पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

मूकबधिर दिवस पर निकाली गई रैली 56 दुकान तक आई

● पुलिस के आयोजन में साइन लैंग्वेज का प्रचार किया

इंदौर। रविवार को मूकबधिर दिवस के अवसर पर थाना तुकोगंज स्थित मूकबधिर पुलिस सहायता केंद्र की ओर से विशेष रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में मूकबधिर बच्चों ने भाग लिया और समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। रैली थाना तुकोगंज से प्रारंभ होकर प्रसिद्ध 56 दुकान क्षेत्र तक पहुंची, जहां बच्चों ने इशारों की भाषा (साइन लैंग्वेज) के माध्यम से लोगों को मूक बधिर समुदाय की भावनाओं और जरूरतों के प्रति जागरूक किया। राहगीरों और दुकानदारों को भी साइन लैंग्वेज के कुछ सामान्य इशारे सिखाए गए, जिससे वे इस भाषा को समझ सकें और संवाद स्थापित कर सकें। केक काटा, बांटी मिठाई 56 दुकान पहुंचने पर बच्चों को मिठाई बांटी गई। इसके बाद सभी ने मिलकर केक काटकर मूक बधिर दिवस को हर्षोंगास के साथ मनाया। इस अवसर पर कई सामाजिक कार्यकर्ता, पुलिस अधिकारी और स्वयंसेवी संस्थाएं भी उपस्थित रहीं। मूकबधिर सहायता केंद्र द्वारा आयोजित यह पहल न केवल बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली रही, बल्कि आम जनता को मूकबधिर समुदाय के प्रति संवेदनशील बनाने की दिशा में एक अहम कदम साबित हुई। आयोजन में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऐसे आयोजन समाज में समावेशिता बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

23 ट्रकों को 'नो एंट्री' के उल्लंघन पर जुर्माना

इंदौर। शहर में सुगम सुरक्षित व सुखद यातायात के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश पर पुलिस द्वारा लगातार यातायात प्रबंधन का कार्य एवं नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही भी की जा रही है। इस अनुक्रम में लगातार नो एंट्री में भारी वाहनों पर निगरानी रख प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इस कड़ी में रविवार की सुबह से सोमवार सुबह तक पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई की। निर्देशों व नियमों का उल्लंघन कर नो एंट्री में भारी वाहनों को लाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध इंदौर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए 23 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई। साथ ही उन्हें हिदायत दी गई कि आदेशों की अवहेलना करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी , इसलिए प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करें। साथ ही सभी को प्रतिबंधित मार्गो का ध्यान रख, निर्धारित समय के अनुसार ही वाहनों को चलाने और प्रशासन द्वारा दिए निर्देशो का पालन कर सहयोग करने की समझाईश दी गई।

सफर होगा आसान, चलेंगी कई स्पेशल ट्रेनें

इंदौर। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ जैसे बड़े त्योहारों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल ने इंदौर समेत कई स्टेशनों से होकर गुजरने वाली अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों का संचालन करने का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों में विशेष किराया लागू होगा और बुकिंग 28 व 29 सितंबर 2025 से आईआरसीटीसी वेबसाइट व पीआरएस काउंटरों पर शुरू हो जाएगी। रतलाम मंडल से होकर बांद्रा टर्मिनस से अयोध्या कैंट, लुधियाना जंक्शन, सांगानेर एवं उधना से जयनगर के लिए साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें संचालित होंगी। ट्रेन बांद्रा-अयोध्या साप्ताहिक स्पेशल 1 अक्टूबर से शुरू होगी, जिसका रतलाम, नागदा, उच्जैन, मक्सी, शुजालपुर और सीहोर में ठहराव रहेगा। बांद्रा-लुधियाना स्पेशल हर रविवार को चलेगी और रतलाम से होकर कोटा, दिगी व अंबाला तक जाएगी। उधना-जयनगर स्पेशल 30 सितंबर से चलेगी जिसमें रतलाम, उज्जैन और शुजालपुर स्टेशन शामिल रहेंगे। बांद्रा-सांगानेर सुपरफास्ट स्पेशल 2 अक्टूबर से शुरू होगी।

चिराग शाह को विदेश जाने की अनुमति मिली

इंदौर। भूमाफिया और धोखाधड़ी के आरोपी चिराग शाह को कोर्ट से एक माह के लिए विदेश यात्रा की इजाजत मिल गई है। चिराग शाह, जो पत्रकार कॉलोनी का निवासी है, ने कोर्ट में अर्जी देते हुए बताया था कि उसकी बहू अमेरिका में रहती है और हाल ही में उसने बेटे को जन्म दिया है। बहू और नवजात से मिलने के लिए उसने 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। हालांकि ट्रायल कोर्ट ने उसकी अर्जी खारिज कर दी थी, जिसके बाद उसने इसके खिलाफ रिवीजन याचिका दायर की। अपर सत्र न्यायाधीश अविनाश शर्मा की अदालत ने उसकी याचिका स्वीकार करते हुए एक माह की विदेश यात्रा की अनुमति दे दी। चिराग शाह के खिलाफ बाणगंगा थाना क्षेत्र में कालिंदी गोल्ड कॉलोनी के प्लॉट को लेकर धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। कोर्ट की यह अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी गई है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि आरोपी निर्धारित समय में ही वापस लौटे।

डेढ़ लाख की ब्राउन शुगर के साथ पकड़ाया

इंदौर। क्राइम ब्रांच इंदौर ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 12.43 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग डेढ़ लाख रूपए बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहम्मद हुसैन पिता मोहम्मद सलीम, निवासी आजाद नगर है। उसे रेलवे स्टेशन के पास एम.आर. 4 रोड भंडारी ब्रिज इलाके से गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक, क्राइम ब्रांच की टीम लगातार संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। तभी पुलिस को देखकर बदमाश भागने लगा। घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया, जिसने पूछताछ में खुद का नाम मोहम्मद हुसैन बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से ब्राउन शुगर बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह खुद भी नशे का आदी है और सस्ते दामों पर ब्राउन शुगर खरीदकर युवाओं को महंगे दामों पर बेचता था। आरोपी पर पहले से भी इंदौर में 3-4 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों पर सख्त कार्रवाई जारी है।

मुख्यमंत्री ने गायक सोनू निगम को 'राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान' से अलंकृत किया

मुख्यमंत्री ने कहा, लता मंगेशकर ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयां दी

इंदौर। मालवा की सांस्कृतिक धरती पर रविवार शाम गीत-संगीत के आयोजित अद्भुत, भव्य एवं गरिमामय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक सोनू निगम को राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान से विभूषित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम गर्वित है कि संगीत की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। इंदौर की संगीत परंपरा अद्वितीय है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि भारत रत्न लता मंगेशकर ने अपने स्वर से भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। उनके नाम पर दिया जाने वाला यह सम्मान अद्वितीय है। यह उन कलाकारों के योगदान को नमन है, जिन्होंने गीत-संगीत के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि आज हम विश्व प्रसिद्ध गायक सोनू निगम को सम्मानित कर गौरवान्वित हो रहे हैं। सोनू निगम के आने से ऐसा लग रहा है जैसे अमावस की रात में पूनम का चांद आया है।

अपने सम्मान के प्रत्युत्तर में पार्श्व गायक सोनू निगम ने भावुक स्वर में कहा कि लता जी हमारे लिए केवल प्रेरणा नहीं, बल्कि संगीत की जीती-जागती परंपरा रही हैं। इस सम्मान को पाकर मैं स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूँ। यह क्षण मेरे जीवन के सबसे खास पलों में से एक है। उन्होंने कहा कि जिस लता मंगेशकर अलंकरण समारोह में

प्रस्तुति देने के लिए मैं 30 वर्ष पूर्व इंदौर आया था, उसी सम्मान समारोह में मुझे आज यह सम्मान मिलना बेहद गौरव का पल है।

समारोह के प्रारंभ में संभाग आयुक्त डॉ सुदाम खाड़े ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे लिए अत्यंत गौरव का है। क्योंकि, संगीत जगत की महान हस्ती भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर का जन्म दिवस है और उसी दिन हम यह कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान संगीत जगत में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। लता जी के नाम पर सम्मान प्रदान करना मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है। लता जी ने भारतीय संस्कृति और संगीत को विश्व स्तर पर स्थापित किया है। कार्यक्रम के प्रारंभ में संचालक संस्कृति एसपी नामदेव ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। मुख्यमंत्री ने समारोह में वर्ष 2025 का राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान सुप्रतिष्ठित पार्श्व गायक सोनू निगम को प्रदान किया। अलंकरण के पश्चात संगीत संध्या का आयोजन हुआ जिसमें लोकप्रिय पार्श्व गायक अंकित तिवारी एवं उनके दल ने एक से बढ़कर एक मधुर प्रस्तुतियां दीं और श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।

इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव, विधायक महेन्द्र हार्डिया, उषा ठाकुर, मालिनी गौड़, मधु वर्मा तथा गोलू शुक्ला सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं संगीत प्रेमी उपस्थित रहे। प्रारंभ में मुख्यमंत्री ने स्वर कोकिला लता मंगेशकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने परिसर में ही डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री ने लता मंगेशकर के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी चित्र लतिका का अवलोकन भी किया।

बारिश ने इंदौर में पार किया 38 का आंकड़ा, अक्टूबर माह में भी राहत

पिछले साल से 3 इंच ज्यादा, देपालपुर सबसे आगे, गौतमपुरा पीछे

इंदौर। मानसून ने वापसी करते हुए इंदौर शहर को फिर तरबरत कर दिया। शनिवार को शुरू हुई बारिश रविवार को भी जारी रही और आंकड़ा बढ़कर 38 पर पहुंच गया। इसके साथ ही इंदौर का बारिश का सालाना आंकड़ा भी पूरा हो गया।

बारिश के इस सीजन में इंदौर की स्थिति ठीक नहीं रही। एक समय तो इंदौर में प्रदेश की सबसे कम बारिश हुई थी। ऐसे में अटकल थीं कि क्या इस बार इंदौर में सामान्य बारिश भी होगी? लेकिन, सितंबर महीने में तेज बारिश की वजह से इंदौर में सामान्य बारिश का कोटा पूरा हो गया। हालांकि, संभाग के बड़वानी, खरगोन और खंडवा की तस्वीर बेहतर नहीं है। दूसरी ओर, उज्जैन में अब भी कोटा पूरा नहीं हुआ है। सबसे कम बारिश वाले जिलों में शाजापुर दूसरे नंबर पर है। इंदौर में सितंबर महीने में रिकॉर्ड 30 इंच बारिश हो चुकी है। यह ओवरऑल रिकॉर्ड है, जो साल 1954 में बना था। 20 सितंबर 1987 को 24 घंटे में पौने 7 इंच पानी गिर चुका है। इस

महीने इंदौर में औसतन 8 दिन बारिश होती है, लेकिन इस बार अब तक 15 दिन हो चुकी है। सितंबर के आखिरी हफ्ते में मानसून की वापसी होने लगेगी। जिले में बारिश की गणना पांच केंद्रों पर की जाती है। इनमें देपालपुर ने सबसे ज्यादा 47.2 इंच बारिश दर्ज कर बढ़त बनाई है, जबकि गौतमपुरा 26.3 इंच के साथ सबसे पीछे है। महू, हातोद और सांवेर में औसत स्तर की बारिश दर्ज की गई है। इस बार शहर की बारिश पिछले साल की तुलना में बेहतर रही है। अब तक 37.5 इंच बारिश दर्ज हुई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि तक केवल 34.6 इंच बारिश हुई थी। यानी इस बार शहर करीब 3 इंच आगे है। हालांकि पूरे जिले का औसत 36.1 इंच है, जो वार्षिक औसत से अभी भी 1.4 इंच कम है।

अक्टूबर में भी आसार मौसम वैज्ञानिक एके शुक्ला के अनुसार, 30 सितंबर से नया सिस्टम सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से अक्टूबर के पहले सप्ताह तक इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में बारिश जारी रहने की संभावना है।

होटल से रात 2 बजे प्रेमिका को फोन किया, फिर फांसी लगाई

● घर छोड़कर दो दिन से होटल में ही रुका था युवक

इंदौर। प्रेमिका के बेवफा निकलने से आहत प्रेमी ने रात दो बजे बात की। इसके बाद दोस्त को बुलाकर कहा कि मैं मरने जा रहा हूं। दोस्त समझाइश देकर घर पहुंचा तो पता चला कि युवक ने फांसी लगा ली, युवक दो दिन से होटल में रुका था। हीरानगर पुलिस के मुताबिक घटना शुक्रवार रात मधुरे श्री होटल की है। यहां पर आर्यन पुत्र गौतम चौहान निवासी साहू नगर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। परिवार के लोगों ने बताया कि 2 दिन से आर्यन घर नहीं आया था। उसने माता-पिता से कहा था कि वह दोस्त के घर रुकेगा। रात में आर्यन के दोस्त ने मोबाइल कॉल कर परिवार को घटना की जानकारी दी। आर्यन का विजयनगर में रहने वाली युवती से कई सालों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। आर्यन को शंका थी कि वह किसी और से भी बात करती है। आर्यन उससे शादी करने के लिए कह रहा था, लेकिन वह टाल देती थी। एक साल से वह शादी से इनकार कर रही थी। आर्यन के मोबाइल में कुछ चैटिंग मिली है, जिसमें वह युवती से शादी की बात पर ही झगड़ रहा है।

परिवार का इकलौता लड़का आर्यन इकलौता बेटा था। उसके परिवार में छोटी बहन है। वहीं पिता टेलीकॉम कंपनी में काम करते थे।

बीआरटीएस हटाने पर मुहर, एक अक्टूबर से तोड़ने का काम शुरू

● इस पूरे काम पर लगभग ढाई करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे

इंदौर। एक समय अहमदाबाद के बाद देश का दूसरा सफल प्रोजेक्ट बताकर सराहा गया इंदौर का बीआरटीएस (बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) अब इतिहास बनने जा रहा है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के सात महीने बाद शुक्रवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसे हटाने पर अंतिम मुहर लगा दी गई।

बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने का काम 1 अक्टूबर से शुरू होगा। इसके लिए तीन एजेंसियां तैनात की गई हैं। एक एजेंसी स्टेशन, रैलिंग और अन्य निर्माण हटाएगी, जबकि दूसरी डिवाइडर बनाने का कार्य करेगी। इस पूरे काम पर लगभग ढाई करोड़ रुपये खर्च होंगे। नए डिवाइडरों पर पेड़-पौधे लगाए जाएंगे और सेंट्रलाइज्ड वाटर सप्लाई सिस्टम से 12 किमी लंबे डिवाइडर को सिंचाई की सुविधा मिलेगी।

12 साल पुराना प्रोजेक्ट खत्म – इंदौर बीआरटीएस 10 मई 2013 को शुरू हुआ था। यह

निरंजनपुर से राजीव गांधी चौक तक 12 किमी लंबे कॉरिडोर पर बना था, जिसमें 12 बस स्टॉप और 14 क्रॉस चौराहे थे। इसे बनाने में करीब 300 करोड़ रुपये खर्च हुए थे।

हाई कोर्ट में लंबी लड़ाई – सामाजिक कार्यकर्ता किशोर कोडवानी ने बीआरटीएस की उपयोगिता पर सवाल उठाते हुए इसे कोर्ट में चुनौती दी थी। 2013 और 2015 में दायर याचिकाओं पर सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने 27 फरवरी 2025 को इसे हटाने का आदेश दिया था। अब 12 साल पुराने इस प्रोजेक्ट को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है।

ऑटो की नंबर प्लेटों पर नींबू-मिर्ची लटकाकर नंबर छिपाने की कोशिश

असरदार रहा ट्रैफिक पुलिस का हेल्पलाइन नंबर, हल हुआ

इंदौर। एक सप्ताह पहले ट्रैफिक पुलिस ने यातायात को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने हेल्पलाइन नंबर जारी किया था। इस नंबर पर आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेकर उनका त्वरित गति से समाधान भी किया जा रहा है।

इस क्रम में शनिवार 27 सितंबर को इस हेल्पलाइन नंबर पर 23 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 19 शिकायतों का पुलिस ने तत्काल निराकरण कर आवश्यक कार्रवाई की गई। जबकि शेष 4 पर कार्रवाई जारी है। बची शिकायतों का निराकरण एक-दो

दिन में कर दिया जाएगा। प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से ट्रैफिक जाम, रेड लाइट उगंघन, तेज गति से वाहन चलाना (विशेष रूप से ऑटो रिक्शा चालकों द्वारा), अवैध पार्किंग, भारी वाहनों की आवाजाही, वाहन चेकिंग, वनवे का उगंघन और सियागंज पुल को वनवे बनाने जैसे मुद्दे शामिल थे।

रेड लाइट कूदने वाले कई ऑटो चालकों की नंबर प्लेटों पर नींबू-मिर्ची लटका कर नंबर छिपाने की शिकायत भी सामने आई, जिन पर त्वरित चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा समझाइश के साथ-साथ नियमों के उगंघन पर सख्त वैधानिक कदम भी उठाए जा रहे हैं। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और किसी भी समस्या की सूचना तुरंत ट्रैफिक हेल्पलाइन पर दें।

दिग्विजय सिंह के सीतलामाता बाजार जाने पर कांग्रेस में भी नाराजी उभरी

शहर अध्यक्ष ने कहा, कोई आयोजन अध्यक्ष की मंजूरी के नहीं हो

इंदौर। सीतलामाता बाजार वाले मामले में दिग्विजय सिंह ने जो कदम उठाया उसे लेकर कांग्रेस में भी नाराजगी उभर आई। कांग्रेस के नगर अध्यक्ष ने कहा कि कोई भी आयोजन शहर अध्यक्ष की बिना मंजूरी के नहीं होना चाहिए। इसे आगे कोई मंजूरी नहीं दी जाएगी। उनके मुस्लिम व्यापारियों से मिलने के मामले में शहर कांग्रेस ने आपत्ति उठाई।

शहर कांग्रेस की रविवार को हुई जिला स्तरीय समन्वय बैठक में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष ने बिना नाम लिए खुला विरोध किया। नगर अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने समन्वय बैठक में कहा कि भोपाल और बाहर से नेता इंदौर आते हैं और बिना सूचना के अपने स्तर पर आयोजन रख लेते हैं। लेकिन, अब अब ऐसा नहीं चलेगा। इस मामले में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने भी बिना नाम लिए सोशल मीडिया पर तीखी पोस्ट की है। दिग्विजय सिंह का नाम लिए बिना चिंटू चौकसे ने कहा कि शहर में कोई भी छोटा-बड़ा नेता आए, उसे किसी भी मामले पर चर्चा करना है, किस विषय पर स्टैंड लेना है और किस पर नहीं लेना है यह पहले से तय होना चाहिए। कोई भी नेता आए और बोले कि मैं यहां जाऊंगा, वहां जाऊंगा, मैं ऐसा करूंगा, मैं वैसा करूंगा, ये सही नहीं है।

उन्होंने कहा कि पहले शहर और जिला अध्यक्ष से और संबंधित विधानसभा के प्रभारी से मुद्दे को लेकर चर्चा की जाए, उसके बाद ही उसे आगे बढ़ाया जाएगा। किस तरह के हालात हैं और कैसे आयोजन करना है, यह हमें बेहतर पता होता है। कोई भी आयोजन शहर अध्यक्ष की बिना मंजूरी के नहीं होना चाहिए। इसे आगे कोई मंजूरी नहीं दी जाएगी। बैठक में चिंटू के यह कहने पर दिग्विजय सिंह के समर्थक नेता एकदम चुप्पी साधे रहे। किसी ने भी इस विवाद में पड़ने या दिग्विजय का पक्ष रखने की कोशिश नहीं की।

नहीं चाहते थे दखल दें

शनिवार को जब दिग्विजय सिंह सीतलामाता बाजार जा रहे थे, तब उन्हें कांग्रेस के कई नेताओं ने वहाँ जाने से रोका भी था। बताते हैं कि दिग्विजय के करीबी रघु परमार ने भी उन्हें कहा था कि वहां जाना ठीक नहीं होगा। इस पर वे भड़क गए और सभी नेताओं को लताड़ लगाई कि क्या यह आप लोग तय करोगे कि मुझे क्या करना है क्या नहीं! यदि सड़क पर उतरकर हिम्मत से आंदोलन करने, बात नहीं कर सकते तो फिर राजनीति क्यों कर रहे हो।

दिग्विजय ने फटकार लगाई

दिग्विजय सिंह शुक्रवार को इंदौर आए थे। उन्होंने शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे के करीबी राजू भदौरिया को फटकार लगाकर मिलने से इनकार किया और भगा दिया था। भदौरिया ने विधानसभा-दो में कनकेश्वरी गरबा में मुस्लिम का काउंटर लगने पर उसे भगाने का समर्थन किया था, इससे दिग्विजय सिंह नाराज हुए।

यह बात खुलकर शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से भी कही थी कि भदौरिया का कृत्य अनुशासनहीनता है और यह कांग्रेस की विचारधारा के खिलाफ भी है।

क्राइम ब्रांच ने 'डिजिटल अरेस्ट' हुए डॉक्टर से ठगे 3 लाख वापस दिलाए

● डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर दो दिन मानसिक दबाव में रखा

इंदौर। आनलाइन फ्रॉड के बढ़ते मामलों में क्राइम ब्रांच को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। शहर के पेशेवर डॉक्टर (परिवर्तित नाम डॉ मुकेश) से हुई 3 लाख 7 हजार रुपए की ठगी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल फजीर्वाड़े का पदार्फाश किया, बल्कि ठगी गई पूरी राशि डॉक्टर को वापस भी दिलाई। पीड़ित डॉक्टर को अज्ञात कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को फेड-एक्स का अधिकारी बताया। कॉलर ने दावा किया कि डॉक्टर के नाम से मुंबई एयरपोर्ट पर एक पार्सल जब्त हुआ है, जो थाईलैंड भेजा जा रहा था। कथित पार्सल में 36 पासपोर्ट, 15 क्रेडिट कार्ड और 140 ग्राम एमडीएमए बरामद होने की झूठी जानकारी दी गई। इसके बाद डॉक्टर को बताया गया कि उनका आधार कार्ड इस पार्सल से लिंक है, और इस मामले की शिकायत सीबीआई में करनी होगी। कॉल को कथित तौर पर ह्यसीबीआई अधिकारीह्न से जोड़ दिया गया, जिसने स्काईप,व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए डॉक्टर से बातचीत की। वीडियो कॉल पर खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर ठगों ने डॉक्टर से उनका आधार कार्ड व अन्य जानकारी मांगी और झूठा दावा किया कि उनका आधार कई बैंकों के खातों से लिंक है, जिनका इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया जा रहा है। डिजिटल अरेस्ट कर दबाव डाला फर्जी अधिकारी ने डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट में लेते हुए उन्हें दो दिन तक मानसिक दबाव में रखा। इस दौरान उन्हें यह यकीन दिलाया गया कि वह अगर सहयोग नहीं करेंगे, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है। डर और भ्रम की स्थिति में डॉक्टर ने 3 लाख 7 हजार रुपये ठगों द्वारा बताए गए एक बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए। डॉक्टर ने इस फ्रॉड की शिकायत 1930 हेल्पलाइन और एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कराई, जिसके बाद क्राइम ब्रांच ने तत्काल जांच शुरू की। बैंकिंग ट्रांजेक्शन ट्रेस कर संबंधित खाते फ्रीज किए गए और पूरी राशि रिकवर कर डॉक्टर को लौटा दी गई।

संपादकीय

बिन ट्रॉफी की जीत!

भारत ने एशिया क्रिकेट का कप का फाइनल शुरूआती लड़खड़ाती पारी के साथ जीत भले लिया हो, लेकिन टीम इंडिया पाकिस्तान के चलते विवादों के कारण बिना ट्राफी के ही स्वदेश लौट रही है। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी उसे अपने साथ पाकिस्तान ले गए हैं। ऐसे में इस बिन ट्रॉफी की जीत के क्या मायने हैं? बताया जाता है कि मोहसिन चाहते थे कि विजेता टीम उन्हीं के हाथों ट्रॉफी ग्रहण करे, लेकिन भारतीय टीम ने किसी भी पाक पदाधिकारी के हाथों ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया। परिणामस्वरूप यह पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा, जिसमें विजेता टीम बिना ट्रॉफी के फोटो खिंचवाती रही। इस बात की सुगबुगाहट पहले से थी कि फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराया तो टीम इंडिया जीत की ट्रॉफी एसीसी के अध्यरक्ष व पाकिस्तान में मंत्री मोहसिन नकवी के हाथों से नहीं लेगी। यही हुआ भी। इस निर्णय से भारतीय टीम की इज्जत बढ़ी या घटी और इस रवैये का अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में सकारात्मक संदेश गया या नकारात्मक, यह बड़ा सवाल है। क्रिकेट जैसे खेल पर भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक और भौगोलिक विवादों की काली छाया पहले से पड़ती दिख रही थी। भारत इसे पहलगाम हमले के बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के रूप में देख रहा है तो पाकिस्तान की नजर में रवैया खेल भावना के हिसाब से अनैतिक है। बकौल मोहसिन नकवी ऑपरेशन सिंदूर में अपनी नाकामी छुपाने के लिए भारत सरकार ने खिलाड़ियों पर दबाव बनाया कि वो जीत के बाद भी न तो पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाएं और न ही नकवी के हाथों ट्रॉफी लें। वैसे भी नकरी विवादास्पद बयान देते रहते हैं। उधर भारत का तर्क है कि उसने पाक के साथ मैच सिर्फ खेल भावना का सम्मान करने के लिए खेले हैं और तीनों मैचों में उसे तगड़ी मात दी है। आखिरी और फाइनल मैच में शुरू में भारत की पारी लड़खड़ाती दिखी। लेकिन तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी ने मोर्चा संभाला और उसे जीत की कगार तक पहुंचादिया। नतीजतन भारत ने पांच विकेट से जीत हासिलकर पाक के अरमानों को धूल में मिला दिया। भारत की इस जीत पर पूरा देश झूम उठा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे क्रिकेट के मैदान का ऑपरेशन सिंदूर बताया।

मैच में पाकिस्तान का 147 रनों का लक्ष्य भारत ने 19.4 ओवर में पाँच विकेट खोकर हासिल किया। लेकिन भारत की जीत से ज्यादा चर्चा इस बात की हुई कि भारतीय खिलाड़ी मंच पर ट्रॉफ़ी लेने नहीं पहुँचे। जीत के तुरंत बाद होने वाला पुरस्कार वितरण समारोह करीब एक घंटे देर से शुरू हुआ। इस दौरान प्रसारण में पूर्व न्यूज़ीलैंड ऑलराउंडर साइमन डूल ने घोषणा की कि भारतीय टीम न तो पुरस्कार समारोह में हिस्सा लेगी और न ही ट्रॉफ़ी उठाएगी। इसके बाद बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि भारतीय खिलाड़ियों ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी से ट्रॉफ़ी स्वीकार नहीं करने का फ़ैसला लिया है। इसी कारण विजेता टीम मंच पर नहीं आई और ट्रॉफ़ी कप्तान को नहीं दी गई। जबकि तिलक वर्मा (मैन ऑफ द मैच), अभिषेक शर्मा (मैन ऑफ द टूर्नामेंट) और कुलदीप यादव (एमवीपी) अपने-अपने व्यक्तिगत पुरस्कार लेने के लिए मंच पर पहुँचे। अब सवाल यह है कि क्या भारत का रवैया इस मामले में सही था या नहीं? आलोचकों का तर्क है कि जब हमने भारत से हर स्तर पर रिश्ते तोड़? लिए तो फिर उसके साथ क्रिकेट खेलने का क्या मतलब है? साथ ही नकवी अगर ट्रॉफी अपने साथ ले गए हैं तो यह भी गलत है। आईसीसी इस मामले में क्या एक्शन लेती है, यह देखने की बात है।

नजरिया

मुनीष भाटिया

लेखक स्तंभकार हैं।

लोकप्रियता और राजनीति की बेरहम कीमत

हाल ही में तमिलनाडु में अभिनेता विजय की रैली में हुई भगदड़ इसका ताजा और दर्दनाक उदाहरण है। रैली उस स्थल पर आयोजित की गई थी जिसकी क्षमता से कई गुना अधिक लोग उपस्थित हुए। माहौल अचानक बेकाबू हो गया और भगदड़ में कई निर्दोष लोग मारे गए। सवाल उठता है कि जब स्थल की क्षमता सीमित थी, तो इतनी भीड़ को एक साथ प्रवेश कैसे दिया गया? यह प्रशासन और आयोजन प्रबंधन की नाकामी का स्पष्ट संकेत है। यह घटना केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं है। यह पूरे देश की सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है। आयोजक केवल भीड़ जुटाकर अपनी ताकत दिखाने में लगे रहते हैं, लेकिन जनता की सुरक्षा को हाशिए पर डाल देते हैं। राजनीतिक रैलियां हों, धार्मिक आयोजन हों या फिल्मी सितारों के कार्यक्रम - हर जगह अनियंत्रित भीड़ का उन्माद देखने को मिलता है।

भारत में रैलियों, राजनीतिक सभाओं और बड़े सार्वजनिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की लगातार अनदेखी कई बार जानलेवा साबित हुई है। सत्ता और लोकप्रियता के प्रदर्शन की लालसा में आयोजक अक्सर हजारों-लाखों लोगों को एक साथ जुटाने पर जोर देते हैं, लेकिन सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी से आंखें मूंद लेते हैं। नतीजा यह होता है कि अनियंत्रित भीड़ का उन्माद निर्दोष ज़िंदगियों को निगल जाता है। लोकतंत्र में जनता की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए, लेकिन वास्तविकता यह है कि राजनीतिक लालसा की बेरहम कीमत अक्सर आम नागरिक अपनी जान देकर चुकाते हैं।

हाल ही में तमिलनाडु में अभिनेता विजय की रैली में हुई भगदड़ इसका ताजा और दर्दनाक उदाहरण है। रैली उस स्थल पर आयोजित की गई थी जिसकी क्षमता से कई गुना अधिक लोग उपस्थित हुए। माहौल अचानक बेकाबू हो गया और भगदड़ में कई निर्दोष लोग मारे गए। सवाल उठता है कि जब स्थल की क्षमता सीमित थी, तो इतनी भीड़ को एक साथ प्रवेश कैसे दिया गया? यह प्रशासन और आयोजन प्रबंधन की नाकामी का स्पष्ट संकेत है।यह घटना केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं है। यह पूरे देश की सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है। आयोजक केवल भीड़ जुटाकर अपनी ताकत दिखाने में लगे रहते हैं, लेकिन जनता की सुरक्षा को हाशिए पर डाल देते हैं। राजनीतिक रैलियां हों, धार्मिक आयोजन हों या फिल्मी सितारों के कार्यक्रम - हर जगह अनियंत्रित भीड़ का उन्माद देखने को मिलता है। कई बार देखा गया है कि किसी नेता की राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए आम जनता की जान जोखिम में डाल दी जाती है। लोग नेता के आकर्षण और प्रचार के बहकावे में आकर रैलियों, जलसों और सभाओं में अंधभक्ति की तरह पहुंचते हैं, बिना यह समझे कि उनका जीवन खतरे में है। अनियंत्रित भीड़ कभी-कभी इतनी असहनीय हो जाती है कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ता है, और कई बार खराब मौसम के बावजूद लोग रैली स्थल पर पहुँच जाते हैं, जिससे परिस्थितियाँ और भी खतरनाक हो जाती हैं। यह स्थिति सिर्फ नेताओं की राजनीति का परिणाम नहीं है, बल्कि यह दर्शाती है कि जनता की सुरक्षा और जीवन की कीमत राजनीति के सामने कितनी कमतर समझी जाती है।

भीड़ प्रबंधन केवल कागजों पर व्यवस्था करना नहीं है। यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें आयोजन स्थल की क्षमता, आपातकालीन निकास, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा बल की संख्या और प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती जैसे कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया जाता है। दुर्भाग्य से, भारत में ये मानक अक्सर अनदेखे रह जाते हैं। आयोजक केवल बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करने पर ध्यान देते हैं, जबकि सुरक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के भरोसे छोड़ दी जाती है। इसका नतीजा समय-समय पर भगदड़ और मौत के रूप में सामने आता है। तमिलनाडु की रैली ने यह स्पष्ट कर दिया कि अगर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो छोटे आयोजनों से लेकर बड़े कार्यक्रमों तक कोई भी स्थल हादसे की चपेट में आ सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि भीड़ का व्यवहार अनियमित और अप्रत्याशित हो सकता है, लेकिन इसके लिए वैज्ञानिक तैयारी और पूर्व-नियोजन से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है।

भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए ठोस कदम जरूरी हैं। इसके अंतर्गत हर राज्य सरकार को बड़े आयोजनों के लिए स्पष्ट भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा मानक तय करने चाहिए, ताकि स्थल की क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश न मिले। आयोजनों से पहले प्रशासन द्वारा स्थान की क्षमता, सुरक्षा इंतजाम और आपातकालीन निकास द्वार, एम्बुलेंस और मेडिकल टीम की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। अगर किसी आयोजन में लापरवाही के कारण जनहानि होती है, तो आयोजकों और प्रशासन दोनों को कानूनी रूप से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

लोकतंत्र तभी मजबूत और जीवंत रहेगा जब जनता सुरक्षित महसूस करे। अगर जनता अपनी सुरक्षा के लिए लगातार जोखिम में रहे, तो लोकतंत्र का यह मूल सिद्धांत कमजोर पड़ जाता है। तमिलनाडु की रैली जैसी घटनाएँ याद दिलाती हैं कि सुरक्षा और व्यवस्था पर ध्यान न देने का परिणाम भयावह हो सकता है। यह न केवल राजनीतिक या सामाजिक मुद्दा है, बल्कि आम नागरिक के जीवन का सवाल भी है।समाज और प्रशासन दोनों को यह समझना होगा कि भीड़ केवल राजनीतिक ताकत या लोकप्रियता का साधन नहीं है। इसे नियंत्रित करना और सुरक्षित बनाना हर आयोजनकर्ता की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। अगर यह जिम्मेदारी गंभीरता से नहीं ली गई, तो भविष्य में इसी तरह की त्रासदी देश के किसी और हिस्से में दोहराई जा सकती है।

तमिलनाडु की रैली की घटना हमारे सामने एक गहन चेतावनी प्रस्तुत करती है। यह दर्शाती है कि बड़े आयोजनों में सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को गंभीरता से न लेने का परिणाम कितनी बड़ी त्रासदी में बदल सकता है।

सरकार, प्रशासन और आयोजकों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि भीड़ केवल राजनीतिक या सामाजिक प्रभाव के लिए नहीं, बल्कि सुरक्षित ढंग से प्रबंधित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी समझी जाए।अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह लापरवाही भविष्य में और भी जानलेवा हो सकती है। जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। लोकतंत्र तभी मजबूत और जीवंत रहेगा जब आम नागरिक सुरक्षित रहें और उनके जीवन की रक्षा की जिम्मेदारी किसी भी आयोजन में नजरअंदाज न की जाए।

आर्थिकी

डॉ. सत्येंद्र किशोर मिश्र

लेखक सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं।

जीएसटी में सुधार तथा न्यायपूर्ण समावेशी विकास

वस्तु तथा सेवा कर (जीएसटी) में सुधार, भारतीय अर्थव्यवस्था में समावेशी विकास के साथ आर्थिक असमानता में कमी एवं युवा सशक्तिकरण हेतु महत्वपूर्ण है। जीएसटी सुधारों के अन्तर्गत विभिन्न उद्योगों में कर दरों कोतर्कसंगत बनाने से उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में कमी से मात्र आम नागरिकों के जीवनयापन की लागत ही नहीं घटेगी, बल्कि स्टार्टअप, एमएसएमई, विनिर्माण क्षेत्र सहित कारोबार के तमाम क्षेत्रों को बढ़ावा मिलने सेरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। जीएसटी के दो-स्लैब तथा दरों में कमी कामकसद जरूरी वस्तुओं, सेवाओं और उभरते प्रौद्योगिकी वस्तुओं की कीमतों मेंकमी तथा भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने की दूरदृष्टि है। जीएसटी सुधारों से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा, पारंपरिक उद्योगों को समर्थन तथा नवाचार को प्रोत्साहन के जरिए अर्थव्यवस्था में संरचानात्मकसुधारों को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवहनमें भी सुधार होंगे। जीएसटी सुधारों को तात्कालिक राहतों से भी आगे बढ़कर विकसित भारत में संरचनात्मक सुधारों के संदर्भों में भी समझने की जरूरत है।

जीएसटी लागू होने से पहले, भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली अत्यंत जटिल थी। हर राज्य के अपने कर, अलग-अलग कर दरें तथा प्रक्रियाएं थीं, जिससे अन्तरराज्यीय व्यापार में मुश्किलें आती थी। दोहरी कर व्यवस्था, व्यवसाय तथा उपभोक्ता, दोनों पर बोझ थी। इससे निपटने हेतु 01 जुलाई 2017 में सत्रह अलग-अलग संघ एवं राज्य सरकारों के करों तथा तेरह उपकरों को एक साथ सम्मिलित कर एकीकृत राष्ट्रीय कर के रूप में लागू जीएसटी, स्वतंत्र भारत का सबसे महत्वपूर्ण कर सुधार था। जीएसटी लागू होने से दोहरे कर से निजात, एक समान कर व्यवस्था, सरल अनुपालन तथा एकीकृत राष्ट्रीय बाजार बनाने के साथ कर पारदर्शिता में सुधार हुआ। डिजिटल दौर में लगातार विकसित एवं विस्तारित होकर जीएसटी आज भारत के अप्रत्यक्ष कर ढांचे की रीढ़ तथा एकीकृत अर्थव्यवस्था का प्रतीक है। आरंभिक वर्ष 2017-18 से जीएसटी करदाता संख्या 66.5 लाख से लगभग ढ़ाई गुना बढ़कर वर्ष 2024-25 में 1.51 करोड़ हो गयी। इन्ही आठ वर्षों में औसत मासिक जीएसटी राजस्व संग्रहण रू. 82,000 करोड़ से बढ़कर रू. 2.04 लाख करोड़ अर्थात वार्षिक जीएसटी राजस्व संग्रहण रू. 7.19 लाख करोड़ में 18 फीसद संचयी वृद्धि दर के साथ लगभग तीन गुना बढ़कर रू. 22.08 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

हालिया जीएसटी सुधार, नये भारत में युवाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से पूरा करने तथा आर्थिक समानता की लक्ष्य हेतु एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो सकता है। जीएसटी में सुधार का उद्देश्य इसकी पुरानी खामियों से निजात दिलाते हुए भारत में अप्रत्यक्ष कर संरचना को सरल बनाना तथा प्रमुख उद्योगों में कर दरों को कम करके उद्यमिता, रोजगार सृजन और किफायती जीवनयापन हेतु अनुकूल माहौल बनाना है। जीएसटी सुधार, युवाओं की अधिक भागीदारी वाले क्षेत्रों जैसे शिक्षा, ऑटोमोबाइल, प्रौद्योगिकी, हस्तशिल्प, स्वास्थ सेवा तथा खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में लागत कम करने, प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और नवाचार को प्रोत्साहन प्रदान करेगा। ये सुधार परिवारों और व्यवसायों पर वित्तीय बोझ को कम करने के साथ ही समावेशी विकास, आर्थिक समानता एवं स्थिरता और अगली पीढ़ी के सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहे हैं।

जीएसटी में सुधार सरल दो स्तरीय संरचना, अधिक न्यायोचित कर प्रणाली तथा सरल एवं त्वरित रिफंड हेतु डिजिटल फाइलिंग के साथ-साथ जीएसटी की सफलता पर आधारित हैं। जीएसटी सुधार में चार टैक्स स्लैब की जगह 5 तथा 18 फीसद की दो टैक्स स्लैब संरचना के साथ दरों में तर्कसंगत बदलाव तथा व्यापक जीएसटी दर में कटौती के जरिए आम आदमी, श्रम-प्रधान उद्योगों, किसानों एवं कृषि, स्वास्थ्य एवं अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित है। पहले 12 फीसद जीएसटी स्लैब में शामिल पहले की 99 वस्तुएं अब 5 फीसद जीएसटी स्लैब के दायरे में आ गई हैं। जबकि, पहले 28 फीसद जीएसटी स्लैब के दायरे में शामिल 90 फीसद वस्तुएं अब 18 फीसद जीएसटी स्लैब में आ गई हैं। जीएसटी सुधारों से अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे खाद्य पदार्थ, आवास, ऑटोमोबाइल, कृषि, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा पर सकारात्मक असर होगा। नये पीढ़ी का यह जीएसटी सुधार, अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल, न्यायोचित और अधिक विकासोन्मुख बनाकर कर संग्रहण तथा सक्रिय करदाता में बढ़ोत्तरी, बेहतर अनुपालन, पारदर्शी कर व्यवस्था तथा मजबूत अर्थव्यवस्था की बुनियाद बनेगा।

जीएसटी सुधार आवश्यक और उच्च मूल्य वाली वस्तुओं पर कर दरें कम करके उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हैं। जीएसटी में सुधार कीमतों को कम कर समग्र मांग बढ़ाने, एमएसएमई को समर्थन देने, जीवनयापन को आसान बनाने, कर आधार को व्यापक बनाने, विनिर्माण को बढ़ावा देने के साथ-साथ राजस्व वृद्धि को प्रोत्साहित कर आर्थिक विकास को बढ़ाने और सामाजिक कल्याण की मजबूती के लिए हैं। एमएसएमई को सशक्त तथा राज्यों की राजस्व आय को मजबूत कर भारतीय अर्थव्यवस्था में खपत और विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देंगे। जीएसटी सुधार से आम नागरिक के जीवनस्तर में सुधार और छोटे व्यापारियों और उद्यमियों सहित सभी के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित होगी। इससे न केवल आम नागरिक, किसान, एमएसएमई, महिलाएं, युवाओं और मध्यम वर्ग सीधे लाभान्वित होंगे, साथ ही भारत की दीर्घकालीन अर्थिक विकास की संभावनाएं भी मजबूत होगी। साथ ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिगरेट, पान मसाला, तम्बाकू जैसी हानिकारक निर्दिष्ट वस्तुओं पर जीएसटी दरों में बढ़ोत्तरी के जरिया इनके उपभोग का नियंत्रित कर सामाजिक कल्याण बढ़ाने की चिंता भी है। जीएसटी सुधार से आर्थिक विकास हेतु सकारात्मक वातावरण बनेगा, सस्ती वस्तुएं और सेवाएं घरेलू बचत को बढ़ाकर खपत को प्रोत्साहित करेगी। सीमेंट, ऑटो पार्ट्स और हस्तशिल्प जैसे इनपुट की घटी जीएसटी दरें, लागत को कम कर छोटे व्यवसायों को अधिक प्रतिस्पर्द्धी बनाएगी। बीमा और आवश्यक दवाओं पर जीएसटी छूट से सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ सेवा तक पहुंच मजबूत होती है। सरल कर दरें, करानुपालन को प्रोत्साहित कर इसके आधार का विस्तार तथा राजस्व संग्रहण में बढ़ोत्तरी करेंगी, कर ढांचा ठीक होने से घरेलू मूल्यवर्द्धन और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। जीएसटी में सुधार से आशंका व्यक्त की जा रही है कि कई वस्तुओं पर कर दरों में कटौती के बाद लगभग पचास हजार करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व संग्रहण मेंकमी होगी। परन्तु तथ्य है कि इसकी भरपाई बढ़ी मांग तथा खपत के कारण होनेवाले राजस्व वृद्धि से हो सकेगी। इससे सरकारी खजाने पर कोई विशेष नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा, बल्कि जीडीपी में वृद्धि ही होगी। जीएसटी में सुधार और पहले तिमाही में उम्मीद से बेहतर विकास दर के आंकड़ों से वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसद की जीडीपी की अनुमानित दर से अधिक होने केसंकेत हैं। जीएसटी सुधारों और वर्ष 2025 के केंद्रीय बजट में घोषित आयकर राहत के प्रभाव के कारण भारत की अर्थव्यवस्था में ढ़ाई लाख करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय प्रोत्साहन का अनुमान है। पूर्व में कर सुधारों के अनुभव रहे हैं कि बेहतर अनुपालन के साथ कम कर दरें राजस्व संग्रहण में बढ़ोत्तरी ही करती हैं। लागतों में कमी के कारण कीमतों में गिरावट से मांग बढ़ती है,परिणामस्वरूप कर आधार का विस्तार होता है, राजस्व संग्रहण बढ़ता है, अंततः सतत विकास प्रक्रिया मजबूत होती है।

एक अच्छी कर प्रणाली सरल, न्यायपूर्ण, समावेशी, प्रगतिशील तथा तीव्र आर्थिक विकास का जरिया हानी चाहिए। भारत जैसे विकासशील देशों में अप्रत्यक्ष कर प्रायः विस्तृत आधार वाले, मंहगाई तथा आर्थिक असमानता बढ़ाने वाले, अमितव्ययी तथा गैर-प्रगतिशील होते हैं। परन्तु यदि अप्रत्यक्ष करों को सही से लागू किया जा सके तो ये तीव्र आर्थिक विकास में मददगार होने के साथ ही सामाजिकार्थिक समानता तथा सामाजिक कल्याण काबेहतर जरिया बन सकते हैं। वर्तमान के जीएसटी सुधारों को उपभोक्ताओं, व्यवसाय तथा कारोबारियों के तात्कालिक फायदे के तौर पर देखने से भी महत्वपूर्ण है कि ये सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख चुनौतियों आर्थिक असमानता, मंहगाई, तथा बेरोजगारी से लड़ने में बहुत कारगर हो सकते हैं। तार्किक रूप से निर्धारित जीएसटी दरों से न केवल सामाजिक कल्याण को बढ़ावा मिलेगा अपितु, आवश्यक वस्तुओं की लागतें तथा परिणामस्वरूप कीमतों में कमी से उपभोग में वृद्धि होगी। समग्र मांग एवं बाजार में विस्तार से उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता में बढ़ोत्तरी होगी, जो अंततः आर्थिक विकास की मजबूत बुनियाद बनेगा।

वर्तमान जीएसटी सुधार भारत में नागरिकों के लिए किफायती जीवनयापन, व्यवसायों में प्रतिस्पर्धात्मकता और अनुपालन में पारदर्शिता पर ध्यान देकर मात्र कर प्रणाली का ही नहीं, अपितु समावेशी न्यायपूर्ण आर्थिक विकास तथा बदलाव में उत्प्रेरक बनेगा। ये सुधार भारत की एक सरल,न्यायपूर्ण और विकासोन्मुख जीएसटी ढांचे की प्रतिबद्धता को दोहराते हैं, जिससे लोगों के लिए जीवनयापन सस्ता तथा व्यवसायों के लिए व्यापार करना आसान हो। जरूरी है कि जीएसटी नागरिक-केंद्रित, व्यवसाय के अनुकूल तथा भारत की वैश्विक विकास की आकांक्षाओं के अनुरूप हो। वस्तुतः विकसित भारत के लक्ष्य के तहत न केवल तेज आर्थिक विकास दर अपितु सामाजिकार्थिक न्याय एवं कल्याण हेतु जीएसटी में सुधार की जरूरत बहुत समय से महसूस की जा रहीथी।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

कटाक्ष

भूपेन्द्र भारतीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक और पुरस्कार छिटक गया

वैसे तो क्रांतिकारी लेखन के अग्रदूत श्रीमान साहित्य में स्वयंभू सम्राट 'कवि पुरस्कारी' के खाते में कितने ही पुरस्कार है। लेखन में साहित्य प्रेमी उन्हें कवि पुरस्कारी नाम से पहचानते हैं। पीछले दिनों उनके साथ एक अकादमिक घटना घट गई। उनकी साहित्यिक यात्रा में एक और पुरस्कार आते-आते अचानक से अंतिम समय उनके साहित्यिक हाथ से छिटक गया। उन्हें अबभी इसका भरोसा नहीं हो रहा है। उनके साहित्यिक जीवन की यह असंभव घटना है।आखिर ऐसा कैसे हो गया। कहाँ त्रुटि हो गई। राष्ट्रीय अकादमी से लेकर अंचल की समितियों तक उन्होंने सब बंदोबस्त पक्का कर दिया था, फिर यह घटना कैसेघटी ! इसके पीछे कोई विरोधी लेखक खेमे का षड्यंत्र तो नहीं? पुरस्कार छिटकने पर लंबा चिंतन चल रहा है। अपने खेमे में सबकी खबर ली जारही है। आखिर किसी अपने वाले ही ने तो नहीं यह षड्यंत्र रचा है। कवि पुरस्कारी मन ही मन बोलने लगे कि 'आजकल अच्छी रचनाएं तो कोई लेखक रच नहींरहा है, बस पुरस्कारों के लिए षड्यंत्र जरूर रच रहा है।' कैसे-कैसेलेखकों को पुरस्कार मिल रहा है। ये भी कोई लेखक है ! सब चापलूसी करते हैं और पुरस्कार पाते हैं। कवि पुरस्कारी पुरस्कारों की निष्पक्षता पर अकादमिक चिंतन में लीन रहने लगे। उन्हें पुरस्कार छिटकने का सुराग पता लगाना है ताकि अगली बार कोई कमी न हो। अपनी दिग्विजय पुरस्कार यात्रा मेंकोई बाधा उत्पन्न न हो। कवि पुरस्कारी स्वयं को युगकवि घोषित करने के अश्वमेध यज्ञ में निरंतर लगे है। साहित्य की चारों दिशाओं में कवि पुरस्कारी अपने साहित्यिक घोड़े दौड़ा रहे है। उन्होंने अपने खेमे में यहपंक्ति स्थापित कर दी है कि 'मैं अब युगकवि हूँ।' जैसे उनके सारे चेलेचपाटों के सामने वे कह रहे हो कि 'हे पार्थ - कवियों में मैं युगकविहूँ!' यह कैसे हो सकता है कि इस वर्ष मुझ युगकवि को एक भी पुरस्कार न मिले। साहित्य की कौनसी विधा है जिसमें युगकवि ने नहीं लिखा। साहित्य की सेवा में कहाँ कमी रह गई। सेवा के बदले कवि का मेवा कौन ले उड़ा। कवि ने कैसा अद्भुत साहित्य रचा है। वह बात अलग है कि पाठक इन रचनाओं को पढ़ता नहीं ! कौन है जो मेरा पुरस्कार छिटक गया। मैंने कितना खर्चा किया था। स्वयं केधन से पुस्तकें प्रकाशित करवाई। कहाँ-कहाँ पुस्तकों की प्रतियां भेंट नहीं की। राजधानी की साहित्य अकादमी से लेकर अंचल की काव्य गोष्ठियों मेंमैंने फूल मालाएं, शाल-श्रीफल, समोसा-कचोरी, माईक-मंच, लिफाफे आदि कीव्यवस्था में आखिर मैंने कोई कमी नहीं रखी। फिर इस बार पुरस्कार कैसे छिटक गया। मंचीय कवि सम्मेलनों में आखिर मैंने श्रोताओं को ठहाके लगवानेमें कौनसी कमी रखी। उन्हें साहित्य के सभी रसों का स्वाद चखाया। फिर भी मेरे पुरस्कार की चोरी कैसे हो गई। वह कौनसी बैरी बिल्ली थी जिसके भाग्य से अचानक दूसरे को पुरस्कार मिल गया व पुरस्कार का छींका मुझसे छिटक गया। विगत दो दशक से कवि पुरस्कारी पुरस्कृत होते आ रहे हैं। अपनी गली के गणेश उत्सव से लेकर राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय समितियां उन्हें पुरस्कृत करती रही हैं। उनके अपने घर के कमरे पुरस्कारों से लबालब भरे हुए हैं। हर साल दिपावली पर पुरस्कारों की साफ सफाई में कवि पुरस्कारी की श्रीमती जी का लंबा समय तो इसी में निकल जाता है। हो सकता है वे इस बार थोड़ी शांति की सांस लेगी। लेकिन लगता है इस दिपावली कवि पुरस्कारी के लिए त्यौहार फीका होने वाला है। सब दिपावली पर मिष्ठान्नों व फटाकों का आनंद लेगें और कवि पुरस्कारी पुरस्कार छिटकने के दुख में लगता है फीके-फीके ही रहेंगे।

नवरात्रि

तमस से उजास की ओर

– खुमानसिंह चुंडावत

स्वतंत्र लेखक

हर त्यौहार के पीछे एक गहरा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। इनसे न केवल हमारे संस्कारों का पोषण होता है बल्कि जीवन में गतिशीलता भीबनी रहती है। पर्वों में नवरात्रि का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है,क्योंकि नौ दिन का यह उत्सव जड़ता को दूर कर जीवन में उत्साह भर देता है। सामान्यतः हम वर्ष में दो बार–चैत्र (वसंत) और शारदीय नवरात्रि–धूमधाम सेमनाते हैं। किंतु हिंदू पंचांग में इनके अतिरिक्त दो और नवरात्रियों का प्रावधान है, जिन्हें 'गुप्त नवरात्रि' कहा जाता है। ये माघ (जनवरी-फरवरी) और आषाढ़ (जून-जुलाई) माह में आती हैं। प्रश्न उठता है कि हमारे पूर्वजों और ऋषि-मुनियों ने वर्ष में चार बार इस अनुष्ठान की व्यवस्था क्यों की? यदि हम इस पर गहराई से विचार करें, तो पाएंगे कि नवरात्रि दरअसल व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास, आत्मशुद्धि, मन की शांति और ज्ञान के संतुलन को स्थापित करने का एक चक्रीय अनुष्ठान है। जिन्हें लगातार सक्रिय और संतुलित रखना हमारे चौतरफ़ा विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है ।

नवरात्रि: नित नूतन

सांसारिक भाग दौड़, आचार-विचार, संस्कार, संगत, खान-पान और लगातार बढ़ती उम्र के कारण हमारे भीतर कई तरह के भावनात्मक और वैचारिक अवरोध उत्पन्न हो जाते हैं, जो धीरे धीरे जड़ता या नकारात्मकता बदल जाते हैं। ये नकारात्मक प्रवृत्तियाँ हमारी आध्यात्मिक उन्नति को बाधित करती हैं। इसी जड़ता से मुक्त होने के लिए व्यक्ति को बार-बार जप, तप, व्रत, उपवास,पठन-पाठन और विभिन्न योग साधनाओं की आवश्यकता होती है हमारे उत्सव वही अवसर उपलब्ध करवाते हैं। इनका उद्देश्य केवल एक है–ताकि हम अपनी ज्ञानेन्द्रियों का सही, संतुलित और सृजनात्मक उपयोग कर सकें। नवरात्र में देवी मां कई तरह की नकारात्मकता से हमें मुक्ति दिलाती है,प्रतीकात्मक रूप से इन्हें सुर और असुर कहा गया है।

असुर संहार: मनोवैज्ञानिक विश्लेषण

नवरात्रि के दौरान देवी माँ द्वारा कई असुरों का संहार करने का वर्णन मिलता है। यहाँ 'असुर' का अर्थ है–जिसके जीवन में 'सुर' अर्थात् प्रकाश या ज्ञान नहीं है; जो अंधकारमय है और 'तमस' में जकड़ा हुआ है। देवी शक्ति की आराधना द्वारा हम इसी तमस को दूर करते हैं। ये असुर कोई बाहरी शत्रु नहीं, बल्कि हमारे ही भीतर छिपे मनोविकार हैं। जिन्हें हमारे पूर्वजों और ऋषि मुनियों ने प्रतीकात्मक रूप से हमें बताया है ।

मधु-कैटभ: राग और द्वेष के प्रतीक

यह कथा हमारे कानों से शुरू होती है। जो कुछ हमें सुनने में शहद (मधु) की भाँति मीठा लगता है, हम उसी में फँस जाते हैं और हर समय वही सुनना चाहते हैं। जो मीठा बोलता है, वही प्रिय लगता है और उस व्यक्ति से हमें 'राग' (Attachment) होने लगता है। इसके विपरीत, जो कठोर, कर्कश और काँटों (कैटभ) के समान चुभने वाले शब्द बोलता है, वह हमें अप्रिय लगता है और उसके प्रति हमारे मन में 'द्वेष' (Aversion) उत्पन्न होता है। यह राग-द्वेष का बंधन व्यक्ति को अशांत कर देता है और उसकी ऊर्जा को अधोगामी कर देता है।

शुम्भ-निशुम्भ: संदेह और आत्म-संशय

जब व्यक्ति राग-द्वेष में अपना संतुलन खो देता है, तो वह जीवन की वास्तविकताओं से दूर होने लगता है। उसके भीतर संदेह का जन्म होता है। उसे कभी स्वयं पर शंका (आत्म-संशय) होता है, तो कभी वह दूसरों पर संदेह करता है। हर समय सशंकित रहने वाला व्यक्ति आत्म-विकास के मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सकता। एक प्रकार से वह शुम्भ-निशुम्भ नामक राक्षसों की जकड़ में फँस जाता है। हर प्रकार की साधना इसमें संतुलन लेकर आती है ।

धूम्रलोचन: विवेक पर पड़ा पर्दा

सदैव संदेह और भय में रहने वाला व्यक्ति अनिर्णय का शिकार होकर धीरे-धीरे अपना विवेक खोने लगता है। क्या सही है और क्या गलत, यह सोचने-समझने की क्षमता धूमिल होने लगती है। भविष्य धुँधला और निराशाजनक प्रतीत होता है, मानो आँखों के सामने धुआँ (धूम्र) छा गया हो। यही असुर 'धूम्रलोचन' है, जो व्यक्ति की विवेक-दृष्टि पर पर्दा डाल देता है। माँ की आराधना से ऊर्जा का संचार होता है और विचारों में स्पष्टता आती है ।

रक्तबीज: अंतर्मन की नकारात्मकता

विवेकहीन और निराश व्यक्ति केवल अपने इर्द-गिर्द ही सोचताहै। उसके विचार, व्यवहार और भावनाओं में निराशा इस कदर घुल-मिल जाती हैकि यही नकारात्मकता उसके रक्त में समा जाती है। जब एक नकारात्मक विचार सेसौ अन्य नकारात्मक विचार पैदा होने लगें, तो समझिए कि व्यक्ति 'रक्तबीज' के प्रभाव में है। व्यक्ति की भीतरी परतों में समा चुकी इसी नकारात्मकता को रक्तबीज असुर की संज्ञा दी गई है। लगातार नकारात्मक सोच व्यक्ति के DNA (रक्त बीज) में शामिल होकर उसके स्वभाव में झलकने लगती है। नवरात्रि के विभिन्न अनुष्ठान और तप इसकी शुद्धि में सहायक होते हैं।

महिषासुर: अहंकार और जड़ता

अहंकार केवल पद, प्रतिष्ठा, प्रतिभा या ज्ञान का ही नहीं होता, बल्कि नकारात्मकता, अवसाद और जड़ता का अहंकार कहीं अधिक शक्तिशाली और गहरा होता है। 'मैं ही दुखी हूँ,' 'मेरे साथ ही गलत होता है,' इस प्रकार का भाव नकारात्मक अहंकार को जन्म देता है। यह इतना शक्तिशाली हो जाता है कि स्वयं शक्ति की देवी दुर्गा को भी इसे हराने में नौ दिन लग जाते हैं।ऐसा देवी पुराण में भी बताया गया है । राक्षस-रूपी इसी नकारात्मक अहंकार का नाम 'महिषासुर' है। हमारी वृतियों, व्यवहार और विचारों को यदि सूक्ष्मता से देखा जाए तो हम पाएंगे कि हमारे जीवन की ड्राइविंग सीट पर कोई दूसरा (छोटा मन) ही बैठा है, हमारे ज़्यादातर व्यवहार और क्रियाकलाप छोटे मन से ही प्रभावित होते हैं, 'भौतिकता और अध्यात्म' में से हमारी प्राथमिकता क्या होती है? स्वभावगत हमें अध्यात्म अच्छा लगता हैकिंतु छोटे मन अहंकार के प्रभाव में आकर हम हर बार भौतिकता को प्राथमिकता देते हैं। नवरात्रि की साधना इन्हीं वृत्तियों और जड़ता से निकालकर हमें उत्साह और दिव्यता प्रदान करती है।

हम इन सभी नकारात्मक शक्तियों के प्रभाव से दूर रहकर निरंतर अपने 'स्व' में बने रहें, संस्कार, ज्ञान, ऊर्जा,और शांति के साथ आध्यात्मिक उन्नति करते रहें, इसीलिए हमारे पूर्वजों और ऋषि-मुनियों ने वर्ष में चार बार नवरात्रि मनाने का यह अद्भुत प्रावधान किया है, जो हमें समय-समय पर अपनी आंतरिक शुद्धि और आत्म उत्थान का अवसर प्रदान करता है।

क्रिकेट और आत्मसम्मान का नया अध्याय

बदला हुआ भारत

– डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखक शोधार्थी हैं।

एशिया कप 2025 का अंतिम मुकाबला केवल क्रिकेट का रोमांचक खेल नहीं था। यह खेल से कहीं अधिक एक कूटनीतिक और सांस्कृतिक संदेश बनकर उभरा। भारत ने पाकिस्तान को न सिर्फ़ मैदान पर हराया बल्कि मैच के बाद की औपचारिकताओं में भी ऐसा रुख़ अपनाया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष, जो पाकिस्तान से हैं, से ट्रॉफी स्वीकार करने से साफ़ इनकार कर दिया। परिणाम यह हुआ कि पुरस्कार वितरण समारोह घंटों तक खिंचता रहा और अंततः अधूरा रह गया। यह घटना भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। सवाल केवल इतना नहीं है कि ट्रॉफी किसने थामी, बल्कि यह कि भारत ने यह कदम क्यों उठाया और इसके परिणाम क्या हैं।

क्रिकेट को अक्सर 'जेंटलमैन का खेल' कहा जाता है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के संदर्भ में यह खेल कभी केवल खेल नहीं रहा। यह दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव, सांस्कृतिक टकराव और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक बन चुका है। जब भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी लेने से इनकार किया, तो यह स्पष्ट संदेश था कि मैदान की जीत से आगे बढ़कर भारत अपने आत्मसम्मान को सर्वोपरि मानता है। एक तरह से यह 'खेल और कूटनीति का उल्टा रूप' था। जहाँ खेल को आमतौर पर राजनीति को नरम करने का साधन माना जाता है, वहीं भारत ने खेल का मंच उपयोग करके राजनीतिक संदेश दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बार-बार यह दावा किया गया है कि भारत अब झुकता नहीं, बल्कि अपनी शर्तें तय करता है। इस संदर्भ में टीम इंडिया का रुख़ उसी मानसिकता का विस्तार माना जा रहा है। भारत के लिए ट्रॉफी लेना केवल एक औपचारिकता था, लेकिन जब देने वाला वही देश हो जिससे लगातार आतंकवाद, घुसपैठ और सीमा पर तनाव चलता रहा है, तो उस औपचारिकता का महत्व बदल जाता है। यह नया भारत केवल आर्थिक और सैन्य शक्ति की भाषा में नहीं बोलता, बल्कि खेल के मंच पर भी राजनीतिक संदेश देने में पीछे नहीं है। इसके साथ ही घरेलू राजनीति में भी इस घटना का गहरा असर पड़ा। समर्थक वर्ग इसे मोदी युग का साहसिक कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष इसे खेल भावना पर चोट मानता है। हालांकि जनता में इसे व्यापक रूप से आत्मगौरव की जीत के रूप में देखा गया।

हर साहसिक कदम के साथ आलोचना भी जुड़ती है। भारत के इस रुख़ को लेकर कई सवाल उठे। आलोचकों का कहना है कि क्रिकेट का मूल उद्देश्य देशों के बीच दोस्ती और सौहार्द्र बढ़ाना है। जब आप ट्रॉफी लेने से इनकार करते हैं, तो आप खेल की आत्मा पर चोट करते

हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घटना पर मिला-जुला रुख़ अपनाया। कुछ ने इसे भारत की 'दबदबा दिखाने की नीति' कहा, तो कुछ ने इसे 'अहंकार' बताया। सवाल यह है कि क्या इससे भारत की 'नरम शक्ति' को नुकसान होगा। साथ ही यह भी बहस छिड़ी कि क्या खिलाड़ियों ने यह कदम अपनी इच्छा से उठाया या बोर्ड और सरकार के दबाव में? अगर खिलाड़ी राजनीतिक निर्णयों में केवल मोहरे बन जाएँ, तो उनकी स्वतंत्रता और खेल की पवित्रता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट में विवाद कोई नई बात नहीं है। 1987 में जब पाकिस्तान के राष्ट्रपति जयपुर टेस्ट देखने आए थे, तब इसे 'क्रिकेट कूटनीति' कहा गया। 1999 में कारगिल युद्ध से पहले चेन्नई टेस्ट में पाकिस्तान की जीत और उसके बाद की राजनीतिक हलचल को भी आज तक याद किया जाता है। 2008 में मुंबई हमलों के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला हमेशा के लिए रोक दी। 2023 में एशिया कप को लेकर स्थान विवाद खड़ा हुआ, जहाँ भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया और अंततः प्रतियोगिता 'संयुक्त रूप' में आयोजित हुई। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में देखें तो 2025 की घटना कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि उसी लंबे सिलसिले का हिस्सा है जहाँ क्रिकेट हमेशा राजनीति के साए में खेला गया।

इस घटना के दूरगामी परिणाम भी हो सकते हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद का मुख्यालय भले ही दुबई में है, लेकिन पाकिस्तान लंबे समय से इसमें प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करता रहा है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसकी सहमति के बिना कोई ढांचा नहीं चल सकता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तटस्थता का दावा करती है, लेकिन अगर बड़ी टीमों में से एक यानी भारत इस तरह के कदम उठाकर राजनीतिक संदेश देती है, तो परिषद को मजबूरी में अपना रुख़ तय करना होगा। बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसी टीमें इस खींचतान के बीच कहाँ खड़ी होंगी, यह भी देखने वाली बात है। भारत का दबाव इन्हें प्रभावित करेगा, लेकिन लंबे समय में यह क्षेत्रीय सहयोग को कमजोर कर सकता है।

भारत का यह रुख़ निश्चित रूप से 'नए भारत' का प्रतीक है। यह भारत का वह चेहरा है जो आत्मगौरव को सर्वोपरि मानता है और औपचारिकता या परंपरा को उसके आगे झुका देता है। लेकिन इसी के साथ यह भी सच है कि खेल की आत्मा को राजनीति से बहुत अधिक जोड़ना कभी-कभी नुकसानदेह भी हो सकता है। क्या भारत ने सही किया? समर्थकों के लिए जवाब सीधा है – हाँ, क्योंकि यह आत्मसम्मान का सवाल था। आलोचकों के लिए जवाब है – नहीं, क्योंकि खेल का मंच राजनीति का अखाड़ा नहीं होना चाहिए।

असल सवाल यह है कि क्या क्रिकेट अब केवल क्रिकेट रहेगा या यह उपमहाद्वीप में हमेशा से राजनीति का विस्तार ही रहेगा। एशिया कप 2025 की यह घटना इस सवाल को और तीखा बना देती है। एक बात तय है – यह बदला हुआ भारत है। मैदान पर भी, मंच पर भी।

यह ट्रॉफी प्रेम नहीं, देश प्रेम है

एशिया कप क्रिकेट

रागिनी श्रीवास्तव

लेखक कनाडा निवासी साहित्यकार हैं।

भारतीय क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों दिलों की धड़कन है। जब टीम इंडिया मैदान पर उतरती है तो हर गेंद, हर रन और हर जीत करोड़ों भारतीयों की भावनाओं से जुड़ जाती है। एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध ऐतिहासिक रोमांचक जीत दर्ज की।

इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस जीत की प्रसन्नता सोशल मीडिया पर ट्वीट करके व्यक्त की! उन्होंने खेल की इस जीत को एक रणनीतिक और गर्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया। इस तरह, मोदी ने खेल की जीत को राजनीतिक और प्रतीकात्मक स्तर पर 'ऑपरेशन सिंदूर' से जोड़ दिया, ताकि यह संदेश मिले कि जैसे 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत ने सैन्य मोर्चे पर सफलता पाई थी, उसी तरह क्रिकेट के मैदान पर भी परिणाम वही रहा, भारत की जीत।

इस मैच में सबसे बड़ी चर्चा जीत की नहीं, बल्कि उस निर्णय की रही जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नक़वी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। यह निर्णय खेल से आगे बढ़कर राजनीति, राष्ट्रीय सम्मान और भावनाओं से जुड़ गया।

हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में जिसमें भारतीय पर्यटक तथा सैनिक शहीद हुए थे। टीम ने इस जीत को उन शहीदों और पीड़ित परिवारों को समर्पित किया। ट्रॉफी स्वीकार न करना प्रतीकात्मक रूप से पाकिस्तान के खिलाफ विरोध का तरीका है। रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम ने मैच से पहले ही तय कर लिया था कि ट्रॉफी पीसीबी प्रमुख से नहीं लेंगे, ताकि यह संदेश साफ़ रहे कि खेल में जीत के बावजूद भारत अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। खिलाड़ियों ने यह दिखाया कि उनके लिए चमचमाती ट्रॉफी से ऊपर तिरंगे का मान-सम्मान है।

देशप्रेम की सच्ची मिसाल तब देखने को मिलती है जब कोई खिलाड़ी या टीम व्यक्तिगत सम्मान या ट्रॉफी से ऊपर अपने देश के सम्मान को रखता है। तिरंगे की शान और देश का गौरव अनमोल है। यदि किसी कारणवश आयोजक या परिस्थितियाँ भारत की गरिमा को ठेस पहुँचाएँ, तो ऐसे में ट्रॉफी स्वीकार न करना ही असली देशभक्ति कहलाती है। यह संदेश देता है कि भारत के सम्मान से बड़ा कोई पुरस्कार नहीं।

इतिहास भी गवाह है कि सच्चा देशभक्त खिलाड़ी वही होता है, जो व्यक्तिगत लाभ से पहले राष्ट्रहित को रखे। हॉकी खिलाड़ी ध्यानचंद को हिटलर ने जर्मनी में सेना में उच्च पद का ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने देश छोड़ने से मना कर दिया। ध्यानचंद जैसे महान खिलाड़ियों ने विदेशी आकर्षण और बड़े-बड़े प्रस्तावों को ठुकराकर भारत माता की सेवा को चुना। यही परंपरा हमें सिखाती है कि खेल केवल रिकॉर्ड और ट्रॉफी जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रगौरव का प्रतीक है। सच्चा खिलाड़ी वही है, जो यह समझे कि ट्रॉफी हाथों में नहीं, बल्कि दिलों में होती है।

इस भावना को भारतीय फिल्म जगत ने अनेक फिल्मों के माध्यम से बहुत खूबसूरत तरीके से उजागर किया है जिनमें फिल्म गोल्ड जो कि प्रथम भारतीय ओलिंपिक हॉकी 1948 पर आधारित थी, चक दे इंडिया, भाग मिल्खा भाग आदि फिल्मे हैं।

ट्रॉफियाँ समय के साथ धूल खा जाती हैं, मगर देशभक्ति का भाव पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रेरणा देता रहता है। इसलिए कहा जा सकता है कि खिलाड़ी यदि कभी ट्रॉफी लेने से इंकार करते हैं तो उसका कारण केवल देशप्रेम होता हैं/ आज तो हर भारतीय यही कहेगा, ट्रॉफियाँ हाथों में नहीं, दिलों में होती हैं/ देशभक्ति की ज्योति हर दिल में बसती है।

तलाक: समाज, संवेदनाएँ और बदलती परंपराएँ

दृष्टिकोण

– ममता कुशवाहा

शिक्षिका

तलाक़ के बढ़ते मामलों के पीछे कई कारण नज़र आते हैं। सबसे पहला कारण है आपसी संवाद की कमी। पति-पत्नी के बीच संवाद का पुल जब टूटता है, तो रिश्ते में दरार आना तय है। दूसरा कारण है आर्थिक स्वतंत्रता और कैरियर को प्राथमिकता देना। आज की महिलाएँ पढ़-लिखकर आत्मनिर्भर हो रही हैं, नौकरी कर रही हैं और अपने फैसले लेने लगी हैं। यह बदलाव सकारात्मक है, लेकिन कई बार इससे परिवार में 'समानता' की बजाय 'प्रतिस्पर्धा' का भाव पैदा हो जाता है। यदि पति-पत्नी दोनों एक-दूसरे को बराबरी से सम्मान न दें, तो रिश्ते में दरार गहरी होती जाती है। सामाजिक मान्यताओं और परंपराओं ने भी तलाक़ की प्रक्रिया को जटिल बना दिया है।

भारतीय समाज का ढांचा पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की बुनियाद पर टिका है। विवाह को यहाँ केवल एक व्यक्तिगत संबंध नहीं माना जाता, बल्कि यह सामाजिक, धार्मिक और पारिवारिक संस्था के रूप में देखा जाता है। विवाह जीवनभर का बंधन है, जिसे सात जन्मों तक निभाने का संस्कार सिखाया जाता है। लेकिन आधुनिक समय में जिस तरह तलाक़ के मामले बढ़ रहे हैं, उसने समाजको सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर रिश्तों का आधार इतना कमज़ोर क्यों होता जा रहा है। हाल ही में हुई घटनाओं ने यह प्रश्न और गंभीर कर दिया है कि क्या भारतीय समाज विवाह और परिवार की उस नींव को सुरक्षित रख पाएगा, जो उसे अब तक संभाले हुए थी।

विवाह भारतीय संस्कृति में केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन भी होता है। इसमें न सिर्फ पति-पत्नी की भूमिका महत्वपूर्ण है, बल्कि दोनों पक्षों के परिवार भी बराबर के सहभागी होते हैं। लेकिन आजकल शहरी जीवन, तेज़ भागदौड़, कैरियर की महत्वाकांक्षाएँ और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की चाह ने विवाह को चुनौती दी है। युवा पीढ़ी अब रिश्तों में 'स्पेस' चाहती है, जबकि परिवार और समाज आज भी पारंपरिक भूमिकाओं की अपेक्षा रखते हैं। ऐसे में टकराव होना स्वाभाविक है, जो कई बार तलाक़ का रूप ले लेता है।

तलाक़ केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक भावनात्मक हादसा भी है। इसमें टूटते हैं सपने, बिखरती हैं भावनाएँ और सबसे ज़्यादा आघात स्त्री को झेलना पड़ता है। भारतीय समाज में आज भी तलाक़शुदा स्त्री को संदेह की नज़र से देखा जाता है। उसके चरित्र पर प्रश्न उठाए जाते हैं औरउसे परिवार से लेकर समाज तक 'अकेली' कर दिया जाता है। कई बार मायके भी बेटी का साथ देने से कतराते हैं, क्योंकि समाज की बदनामी का डर उन्हें घेरे रहता है। यही कारण है कि तलाक़ के बाद स्त्रियों को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक तीनों स्तरों पर संघर्ष करना पड़ता है।

तलाक़ के बढ़ते मामलों के पीछे कई कारण नज़र आते हैं। सबसे पहला कारण है आपसी संवाद की कमी। पति-पत्नी के बीच संवाद का पुल जब टूटता है, तो रिश्ते में दरार आना तय है। दूसरा कारण है आर्थिक स्वतंत्रता और कैरियर को प्राथमिकता देना। आज की महिलाएँ पढ़-लिखकर आत्मनिर्भर हो रही हैं, नौकरी कर रही हैं और अपने फैसले लेने लगी हैं। यह बदलाव सकारात्मक है, लेकिन कई बार इससे परिवार में 'समानता' की बजाय 'प्रतिस्पर्धा' का भाव पैदा हो जाता है। यदि पति-पत्नी दोनों एक-दूसरे को बराबरी से सम्मान न दें, तो रिश्ते में दरार गहरी होती जाती है। सामाजिक मान्यताओं और परंपराओं ने भी तलाक़ की प्रक्रिया को जटिल बना दिया है। हमारे यहाँ स्त्रियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे किसी भी हालात में परिवार को टूटने न दें। उनसे सहनशील होने की अपेक्षा की जाती है। यदि विवाह में कठिनाइयाँ आती हैं, तो दोष अक्सर महिला के हिस्से में ही डाला जाता है। जबकि सच यह है कि रिश्ते दोनों तरफ से निभाए जाते हैं। तलाक़ केवल स्त्री की विफलता नहीं, बल्कि पूरे रिश्ते की विफलता है।

भारत के कानून ने तलाक़ को अधिकार तो दिया है, लेकिन इसका इस्तेमाल सरल नहीं है। अदालतों में सालों तक केस चलते रहते हैं और इस दौरान स्त्रियों को मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। बच्चों की कस्टडी, गुज़ारा भत्ता औरसंपत्ति बँटवारे जैसे मुद्दे तलाक़ को और पेचीदा बना देते हैं। ऐसे में कई महिलाएँ अपने दुखद रिश्तों को ढोने के लिए मजबूर हो जाती हैं। इस संदर्भ में सरकारों ने कई योजनाएँ बनाई हैं। उत्तर प्रदेश में 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' इसका उदाहरण है, जिसमें गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाती है ताकि उनकी बेटियों की शादी हो सके। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल विवाह कराना ही पर्याप्त है? असल चुनौती तो विवाह के बाद आती है, जब दो व्यक्तियों को एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाना होता है। यदि वहाँ असफलता होती है, तो शादी कितनी भी भव्य क्यों न हो, टिक नहीं सकती।

तलाक़ का सबसे बड़ा प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। जब माता-पिता अलग होते हैं, तो बच्चे असमंजस और असुरक्षा की स्थिति में जीते हैं। उन्हें समझ नहीं आता कि वे किसका साथ दें। कई बार उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है और वे अवसाद या आक्रोश का शिकार हो जाते हैं। इसलिए तलाक़ केवल पति-पत्नी का ही मामला नहीं, बल्कि पूरी एक पीढ़ी को प्रभावित करता है। हालाँकि यह कहना भी ग़लत होगा कि तलाक़ हमेशा बुरा ही होता है। कई बार यह ज़हरीले रिश्तों से मुक्ति का मार्ग भी बनता है। घरेलू हिंसा, मानसिक प्रताड़ना और आपसी असमानता के हालात में तलाक़ एक नयी शुरुआत का अवसर भी है। यह स्त्रियों को नया जीवन जीने का साहस देता है। बशर्ते कि समाज उन्हें उस नज़र से देखे, जैसी वे हक़दार हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम विवाह और तलाक़ दोनों को संतुलित दृष्टिसे देखें। विवाह को यदि जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाए, तो उसमें संवाद, विश्वास और संवेदनशीलता की सबसे बड़ी भूमिका है। परिवार और समाजको यह समझना होगा कि विवाह केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह दो आत्माओंका बंधन है, जिसे प्रेम और समझ से ही निभाया जा सकता है। तलाक़ को भीहमें सामाजिक कलंक मानने की बजाय एक मानवीय परिस्थिति के रूप में स्वीकार करना चाहिए। यदि दो लोग साथ न रह पा रहे हों, तो उन्हें जबरन बाँधकर रखने से न तो परिवार बच सकता है और न ही समाज। बेहतर यही है कि ऐसे मामलों मेंकानूनी प्रक्रिया को सरल बनाया जाए, स्त्रियों को न्याय और सम्मान दियाजाए, और बच्चों की परवरिश पर विशेष ध्यान दिया जाए।

भारतीय समाज संक्रमण के दौर से गुज़र रहा है। एक ओर परंपराएँ हैं, तोदूसरी ओर आधुनिकता का दबाव। ऐसे में संतुलन बनाना ही सबसे बड़ी चुनौतीहै। यदि हम रिश्तों को बचाना चाहते हैं, तो उनमें संवाद, समानता और संवेदनशीलता को आधार बनाना होगा। और यदि रिश्ते टूट भी जाएँ, तो हमे साहसपूर्वक उन्हें स्वीकार करना होगा और नए जीवन की ओर कदम बढ़ाना होगा। यही जीवन की सच्चाई भी है और समय की माँग भी। तलाक़ केवल कानूनी प्रावधान नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज की बदलती मानसिकता और रिश्तों की नई परिभाषा का आईना है। हमें इसे न तो महिमामंडित करना चाहिए और न ही कलंकित। बल्कि इसे समझने और स्वीकारने की ज़रूरत है, ताकि समाज एक अधिक संवेदनशील, समानता-आधारित और न्यायपूर्ण दिशा में आगे बढ़ सके। विवाह हो या तलाक़, दोनों में सबसे महत्वपूर्ण है इंसान की गरिमा और जीवन की शांति, और यही हमें सच्चे अर्थों में आधुनिक और मानवीय समाज की ओर ले जाएगी।

धार जिला न्यायालय परिसर में लायर्स चेंबर में ऊपरी मंजिल निर्माण का शिलान्यास

धार। न्यायालय परिसर में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में लायर्स चेंबर के ऊपरी मंजिल पर 36 चेंबरों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दूरभाष के माध्यम से संबोधित करते हुए निर्माण कार्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक नीना वर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार अग्रवाल, अन्य न्यायाधीशगण, अभिभाषक संघ अध्यक्ष हितेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

गरीबों की मदद ईश्वर की पूजा के समान है: मंत्री विजयवर्गीय

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सरकार की जवाबदेही सभी वर्गों के प्रति समान है। समाज का कोई भी व्यक्ति यदि अपनी बिरादरी के भले के लिए कार्य करता है तो वह प्रशंसा योग्य है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से जेलों को दंड प्रक्रिया के बजाय समाज विरोधियों के सुधार गृह के रूप में विकसित किया गया है। ग़रीब का दर्द समझना सरकार का दायित्व है और यही कारण है कि पाँच किलो अनाज पहले ही घर-घर पहुँचाया जा रहा है। गरीबों की मदद ईश्वर की पूजा के समान है। कार्यकम को विधायक श्रीमती नीना वर्मा और प्रधान न्यायाधीश श्री अग्रवाल ने भी संबोधित किया।अभिभाषक संघ अध्यक्ष हितेश ठाकुर ने स्वागत उद्बोधन दिया। संचालन अभिभाषक संघ सचिव एडवोकेट संतोष जाट ने किया। आभार एडवोकेट प्रजापति ने माना।

मंदिर पुनर्निर्माण के लिए दुकानदार खाली करें दुकानें

● ट्रस्ट ने किरायेदारों से बकाया वसूली की दी सूचना

बैतूल। जिले के सबसे बड़े धार्मिक ट्रस्ट श्रीराम मंदिर, श्री शिव मंदिर, श्री राधाकृष्ण मंदिर, श्री छोटा राम मंदिर, एकीकृत ट्रस्ट बैतूल के संचालक मंडल की बैठक श्री छोटे राम मंदिर में कल हुई। बैठक में ट्रस्ट के विभिन्न मंदिरों के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें श्री राम मंदिर के पुर्ननिर्माण की तैयारी के संबंध में विचार किया गया। इसके अलावा ट्रस्ट के शिव मंदिर के पुर्ननिर्माण पर चर्चा हुई। बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉ. कांत दीक्षित, सचिव नवनीत गर्ग, ट्रस्टी रंजीत शिवहरे, ट्रस्टी जगमोहन खण्डेलवाल, ट्रस्टी विनेंद्र वैद्य, ट्रस्टी राम भार्गव, ट्रस्टी रामानुज माहेश्वरी, ट्रस्टी मनीष खण्डेलवाल, ट्रस्टी अंबेश बलवापुरी, ट्रस्टी नीलेश कुमार अग्रवाल एवं ट्रस्टी प्रवीण गर्ग उपस्थित रहे। बैठक के उपरांत सभी ट्रस्टियों ने बड़े श्रीराम मंदिर एवं श्री शिव मंदिर का निरीक्षण किया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने बताया कि श्रीराम मंदिर प्रांगण में भूतल एवं प्रथम तल पर कई दुकानें बनी हुई हैं जो जर्जर स्थिति में पहुंच गई है। नगर पालिका परिषद द्वारा भी इन दुकानों को जर्जर भवनों की सूची की श्रेणी शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी दुकानदारों को दुकान खाली कर मंदिर ट्रस्ट को चाबी सौंपने का कहा गया है। इसके अलावा श्री शिव मंदिर में भी पुर्ननिर्माण के लिए दुकानदारों से बात की जा रही है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष डॉ. कांत दीक्षित ने बताया कि ट्रस्ट के पार्वती भवन के कुछ किरायेदार लगभग 10 वर्ष से किराया नहीं दे रहे हैं। जिनको कई बार सूचित किया जा चुका है। वहीं विभिन्न मंदिरों के कई दुकानदार 2019 से ट्रस्ट को किराया नहीं दे रहे हैं। वहीं कुछ दुकानदार 2023 से भी किराया देने में आनाकानी करते रहे हैं। जिसके लिए ट्रस्ट के कर्मचारी कई बार इन दुकानदारों से किराया राशि भुगतान करने का आग्रह कर चुके हैं लेकिन दुकानदारों द्वारा किराया देने में रूचि नहीं दिखाई दे रही है। श्री दीक्षित ने बताया कि इस संबंध में ट्रस्ट द्वारा निर्णय लिया गया है कि ऐसे सभी डिफाल्टर दुकानदारों को 7 दिन की अवधि का पत्र भेजा जा रहा है। यदि इस अवधि में किराया भुगतान नहीं किया गया तो सभी ऐसे बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे एवं होर्डिंग और विज्ञापन के जरिए भी किराए की वसूली का प्रयास किया जाएगा। ट्रस्ट के ट्रस्टी राम भार्गव ने बताया कि ट्रस्ट की कुछ दुकानें लंबे समय से बंद हैं और ऐसे दुकानदार किराया भी नहीं दे रहे हैं।

भारत आत्मनिर्भर एवं विश्व गुरु बनेगा : मुनिराज विभंजन सागर जी

स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ को लेकर व्याख्यानमाला संपन्न

धार। व्यापारी महासंघ जिला धार एवं दिगंबर जैन समाज के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को जैन मुनि श्री विभंजन सागर जी मुनिराज के सानिध्य में स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ को लेकर व्याख्यानमाला का आयोजन मानतुंगाचार्य जैन संत सदन धार में संपन्न हुआ। व्याख्यान माला को संबोधित करते हुए मुनिराज विभंजन सागर जी ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग करने पर भारत की अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी और भारत आत्मनिर्भर एवं विश्व गुरु बनेगा।

मुनिराज ने व्यापारियों से आव्हान किया कि स्वदेशी वस्तुएं ही बेचे एवं उपयोग करें साथ ही समस्त प्रकार के टैक्स ईमानदारी से समय पर भरकर देश की अर्थव्यवस्था में सहयोग करें जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। कार्यक्रम की शुरुआत मे दीप प्रज्वलन एवं मुनिश्री का पाद प्रक्षालन भी किया गया। स्वागत भाषण दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने दिया। मुनिराज ने उनके द्वारा रचित शास्त्र श्रोताओं को भेंट किया। इस अवसर पर महासंघ के अध्यक्ष प्रवीण टांक ने कहा कि विश्व में भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है किंतु विदेशी अड़चनो से निपटने के लिए स्वदेशी वस्तुओं का व्यापार एवं उपयोग बहुत जरूरी है।

इस अवसर पर धार शहर के समस्त व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी गण एवं सभी समाज के सदस्यगण वर्धमान सुराणा ,विजय मेहता , हरजीत सिंह होरा, पवन जैन गंगवाल, पंकज खत्री, दीपक अग्रवाल ,राहुल मोदी ,कमल हरोड़, राजेंद्र ठाकुर, राकेश राठौर ,राहुल नाहर, सुनील जैन, कैलाश पिपलोदिया, कालीचरण सोनवानीया, संजय जैन, नारायण जोशी,अनिल पुजारी,रूपेश बड़जात्या नरेश गंगवाल, हेमंत पुनीत जैन, रमेश सोनी ,प्रकाश जोशी अरुण टांक, शांतिलाल शर्मा , शुभम चौहान , मौसम झांझरी आदि व्यापारीगण उपस्थित थे। ब्रह्मचारी पीयूष भैया ने भी स्वदेशी वस्तुओं के विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। प्रगति दीदी ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रवीण टांक ने किया।आभार सचिव पारस जैन गंगवाल ने माना। जानकारी मीडिया प्रभारी गौरव जैन ने दी।

चरित्र पर संदेह कर गुस्से में गला दबाकर कर दी हत्या

पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाई, आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। थाना कोतवाली पुलिस ने महिला की हत्या के प्रकरण का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 24 सितंबर को थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत बारस्कर कॉलोनी (पुराना पारदीढाना) स्थित एक झोपड़ी में महिला का शव बरामद हुआ। मृतका की पहचान सुनीता पति रामसिंह सरियाम, उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी ग्राम चाँदबेहड़ा थाना चिचोली के रूप में हुई। सूचना पर थाना प्रभारी कोतवाली सत्यप्रकाश सक्सेना तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, एसडीओपी बैतूल सुनील लाटा, डीएसपी सैफा सफा हाशमी एवं सीन ऑफ क्राइम यूनिट प्रभारी निरीक्षक आबिद अंसारी द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए। जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि मृतका अपने पति की मृत्यु के बाद अजय भारती उर्फ संजू पिता झीनू भारती निवासी ग्राम चंदनवाड़ा, जिला छिंदवाड़ा के साथ बारस्कर कॉलोनी में रह रही थी। दोनों मजदूरी कर जीवनयापन करते थे तथा शराब पीने के आदी थे। 22 सितंबर की शाम दोनों में विवाद हुआ। संजू ने पत्नी सुनीता के चरित्र पर संदेह कर गुस्से में उसका गला दबाकर हत्या कर दी तथा घटनास्थल से फरार हो गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच में हत्या की पुष्टि होने पर थाना कोतवाली में धारा 103(1) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया। तत्पश्चात पुलिस टीम ने मात्र कुछ ही घंटों में आरोपी अजय भारती उर्फ संजू को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में पूर्व से लंबित स्थाई वारंट (मारपीट प्रकरण) की भी तामीली की गई है। इस प्रकरण का खुलासा एवं आरोपी की गिरफ्तारी में निरीक्षक सत्यप्रकाश सक्सेना, निरीक्षक आबिद अंसारी, सहायक उपनिरीक्षक जगदीश नावरे, प्रधान आरक्षक दिनेश निमोदा, आरक्षक नितिन चौहान, प्रधान आरक्षक तरुण पटेल, प्रधान आरक्षक शिव उईके, प्रधान आरक्षक सुभाष माकोडे सराहनीय भूमिका रही।

लूट के प्रयास प्रकरण में एक अन्य फरार आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। लूट के प्रयास के प्रकरण में फरार एक अन्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 26 सितंबर की रात्रि फरियादी मयंक सोनी पिता संतोष सोनी उम्र 21 वर्ष निवासी गायत्री एक्का के सामने, गांधी चौक मुलताई अपने साथी मानस चंदेल और करण पवार के साथ घर जा रहे थे। इस दौरान पुरानी अशोक टाकीज के सामने 4 अज्ञात व्यक्ति 2 स्कूटियों पर उनका पीछा कर रहे थे। फरियादी द्वारा पूछताछ करने पर आरोपियों ने उन्हें धमकाने का प्रयास किया। एक आरोपी ने रॉड से हमला करने की कोशिश की, जबकि दूसरे ने कट्टा दिखाया। फरियादी के शोर मचाने पर मोहल्लेवासी व पुलिस मौके पर पहुंचे, तब आरोपीगण सफेद रंग की एक्सेस स्कूटी छोड़कर मौके से फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना मुलताई में धारा 309(5), 312 बीएनएसएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पूर्व में 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय प्रस्तुत किया जा चुका था, शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी थी। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास कर एक अन्य फरार आरोपी जितेंद्र उर्फ गब्बर पिता जसवंत सिंह ठाकुर उम्र 43 वर्ष निवासी मोतीवार्ड, टिकारी, बैतूल को गिरफ्तार किया। आरोपी से घटना में प्रयुक्त ज्यूपिटर स्कूटी एवं आरोपी का मोबाइल विधिवत जप्त किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया।

अवैध गांजा की खेती पर कार्यवाही, 1700 पौधे जब्त, आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। आठनेर पुलिस ने गांजा की अवैध खेती का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने 1700 पौधे जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 27 सितंबर को थाना आठनेर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बरखेड में आरोपी रामकिशोर पिता मन्नु उइके (उम्र 53 वर्ष, निवासी बरखेड, थाना आठनेर) अपने खेत में मक्का व तुअर की फसल के बीच अवैध रूप से गांजे की खेती कर रहा है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह परिहार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और खेत की तलाशी ली। मौके पर आरोपी के खेत से छोटे-बड़े कुल 1700 गांजा के पौधे (कुल वजन लगभग 74 किलो) बरामद किए गए। आरोपी रामकिशोर पिता मन्नू उइके (53 वर्ष) निवासी ग्राम बरखेड, थाना आठनेर को मौके से गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गई है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी आठनेर निरी. नरेंद्र सिंह परिहार, उनि मांगीलाल ठाकरे, सउनि दिनेश धुर्वे, सउनि संतोष चौधरी, प्र.आर पंकज बटके, आर. मनीष पटेल, आर. बीरबल मीणा, आर. प्रवीण, आर. दिनेश, आर. भीम चंचल, महिला आर. कंचन चौरे एवं श्वेता की सराहनीय भूमिका रही।

क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराएं : कलेक्टर

● सड़कों पर मवेशी न बैठें, प्रभावी अंकुश लगाएं, भावांतर योजना का गंभीरता से क्रियान्वयन किया जाए

● ई-ऑफिस में लापरवाह अधिकारियों का रुकेगा वेतन

बैतूल। सभी सडक़ निर्माण संबंधी विभाग और एजेंसी जिले में बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सडक़ों की शीघ्र मरम्मत कराएं। यह निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की बैठक में लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी, पीएमजीएसवाई इत्यादि विभागों के जिला अधिकारियों को दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सडक़ों पर निराश्रित मवेशी न बैठे, सभी जनपद सीईओ और सीएमओ अपने क्षेत्र में निराश्रित मवेशियों पर प्रभावी अंकुश लगाएं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देश दिए शासन की मंशानुरूप किसानों के हित में प्रारंभ भावांतर योजना का गंभीरता से क्रियान्वयन किया जाए। योजना के क्रियान्वयन के लिए निगरानी समिति का गठन किया जाएं। योजना में जिला स्तर पर नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर तथा सहायक नोडल उप संचालक कृषि होंगे। इसी प्रकार सभी पांचों अनुविभागों में संबंधित एसडीएम नोडल और सहायक नोडल कृषि विस्तार अधिकारी होंगे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनपद लेवल पर ई ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विभागों के द्वारा ब्लॉक स्तर पर ई ऑफिस का उपयोग नहीं किया जा रहा हैं, उन सभी विभागों के आहरण संवितरण अधिकारी और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी का वेतन आहरण नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार ई ऑफिस में कम प्रगति वाले जिला अधिकारियों का वेतन भी आहरण नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी एसडीएम को संबल योजना में अपील के लंबित आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि नामांतरण, बंटवारा इत्यादि राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाएं। उन्होंने भुगतान संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर भुगतान के लंबित आवेदनों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश सम्बन्धी जिला अधिकारी को दिए।

भीमपुर में 1 अक्टूबर को आयोजित होगा स्वास्थ्य शिविर

बैतूल। जिले के भीमपुर ब्लॉक मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 01 अक्टूबर दिन बुधवार को प्रात: 09 बजे से महिलाओं के स्वास्थ्य की विशेष जांच के लिए शिविर आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व.लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती 2 अक्टूबर तक चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत किया जा रहा है। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह शिविर महिलाओं के स्वास्थ्य की विशेष जांच एवं परीक्षण के लिए आयोजित किया जा रहा है। खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर डॉ. दीपक निगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में बाहर से आमंत्रित विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

मणिकर्णिकाओं का सम्मान कर गौरवान्वित है बैतूल: हेमंत खण्डेलवाल

सम्मान के मंच पर बेटियों ने कहीं संघर्ष और सफलता की कहानियां

बैतूल। डाटर्स डे 28 सितंबर को जिले के प्रसिद्ध नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ वसंत श्रीवास्तव एवं एड. नीरजा श्रीवास्तव की बिटिया स्व. नेहा अभिषेक श्रीवास्तव की स्मृति में बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति द्वारा मणिकर्णिका सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हेमंत खंडेलवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष डीडी उईके केन्द्रीय राज्य मंत्री जनजाति मामले, विशेष अतिथि आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे, मानस मर्मज्ञ पं. कांत दीक्षित, समाजसेवी मुकेश खण्डेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, जिला भाजपा अध्यक्ष सुधाकर पवार, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन सुमीत सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व विधायक निलय डागा मौजूद थे। मणिकर्णिका सम्मान समारोह का शुभारंभ भारत माता एवं स्व. नेहा के छायाचित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर अतिथियों ने किया, समाजसेवी धीरज बोथरा द्वारा इतनी शक्ति हमें देना दाता गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ वसंत श्रीवास्तव ने भी अपनी भावनाओं को जाहिर किया और कहा कि जब पहली बार 2022 में कांतिशिवा टॉकीज में बेटी नेहा की स्मृति में मणिकर्णिका कार्यक्रम हुआ तो मेरी नातिन आरिका ने एक बात कहीं थी,कि मेरी मां मेरे साथ हमेशा है और हमेशा रहेगी। डॉ श्रीवास्तव ने कहा कि आज भी मैं वहीं शब्द दोहरा रहा हूं, इन मणिकर्णिकाओं का स्वागत करके, इनके दर्शन करके कि मेरी बेटी मुझे इन मणिकर्णिकाओं में दिखती है। गौरी भारत सिंह पदम बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति, श्रीवास्तव

दम्पत्ति, धीरज बोथरा संचालक बोथरा शॉपिंग सेंटर, विवेक मालवीय कांतिशिवा ग्रुप बैतूल, एचमार्ट धीरज हिराणी, अतुल गोठी होटल आईसीईन, राजेश आहुजा आदित्य होण्डा शोरुम, निर्गुण देशमुख-कमलेश गढ़ेकर वीवीएम बैतूल, समाजसेवी मनीष दीक्षित, अतीत पंवार अध्यक्ष नागरिक बैंक बैतूल, अभिमन्यु श्रीवास्तव प्रबंधक एमपी विनियर्स प्राईवेट लिमि,हेमंत पगारिया पगारिया स्टेशनरी एंड स्पोर्ट्स, डॉ कृष्णा मौसिक आरके मेमोरियल हॉस्पीटल एवं यथार्थ राजेश गुगनानी संचालक आरके अनमोल श्री गुरुकृपा ट्रेडिंग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया जिसमें 32 बेटियों एवं महिलाओं को मणिकर्णिका सम्मान-2025 प्रदान किया गया।

मन को छू लेने वाला कार्यक्रम है मणिकर्णिका: हेमंत खण्डेलवाल

एक ऐसा कार्यक्रम जो श्रीवास्तव परिवार के द्वारा किया जाता है, जो मन को छु लेता है। समाज की वो बेटिया जिनकी प्रतिभा, जिनकी क्षमता पे समाज को यकीन नहीं होता आज उनका सम्मान करके हम सब गौरवान्वित है। किसी परिवार में कोई खो जाए तो वह व्यक्ति अपने जीवन में खोया-खोया सा रहता है, लेकिन मैं श्रीवास्तव परिवार को इस बात के लिए बधाई देना चाहूंगा कि एक बेटी नहीं रही तो क्या हुआ, सैकड़ों बेटियों का सम्मान करके आप औरों के लिए प्रेरणा बन गए। हर उस बेटी को धन्यवाद देना चाहूंगा जो समाज की प्रेरणा है, जिससे समाज सीखता है, जो समाज को आगे ले जाने का काम कर रही है। सच पूछे तो जब हम कार्यक्रमों में जाते है लोग कहते है कि हमारी वजह से गौरवान्वित हुए लेकिन मैं यहां कहना चाहूंगा कि ऐसे कार्यक्रम में ऐसे कार्यक्रम आकर और इन बेटियों का सम्मान करके हम गौरवान्वित हुए, बैतूल गौरवान्वित हुआ।

अनुपम, अद्वितीय, असाधारण और प्रेरक कार्यक्रम: डीडी उईके

मणिकर्णिका सम्मान समारोह को अनुपम, अद्वितीय, असाधारण और प्रेरक कार्यक्रम बताते हुए केन्द्रीय राज्य मंत्री डीडी उईके ने कहा कि यह आयोजन उन बेटियों और महिलाओं को समर्पित है जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने कार्यों से समाज में नई पहचान बनाई। अपने साहस और संघर्ष से समाज के लिए प्रेरणा बनी बेटियों का सम्मान कर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने कहा कि मणिकर्णिका झांसी की रानी लक्ष्मी बाई का बचपन का नाम है, यह कम ही लोग जानते है। उनके नाम पर बैतूल में मणिकर्णिका सम्मान की पहल सराहनीय है। महिलाएं हमारे देश में न कभी पीछे रही न कभी क्षमताओं की उनमें कमी रही। सनातन से महिलाएं हमारे यहां सर्व शक्तिमान थी और समाज में उन्हें श्रेष्ठता भी प्राप्त थी। कोई भी समाज महिला और पुरुष से पूर्ण होता है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत आयोजित शिविर में हृदय रोग से ग्रसित 2 बच्चों का चिन्हांकन

बैतूल। जिले में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान 17 सितंबर से प्रारंभ किया गया है, जो आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चलेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि

अभियान अंतर्गत दिनांक 29 सितम्बर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष मनीष सोलंकी एवं उपाध्यक्ष श्रीमती कुसुम सिंह किलेदार द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। सीएमएचओ डॉ हुरमाडे ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत क्षेत्र की सभी हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को शिविरों में लाकर जांच एवं उपचार कराने के लिए कहा एवं गुणवत्ता पूर्ण सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से उपस्थित आशाओं को शपथ दिलाई। उन्होंने शिविर में सेवाऐं दे रहे विशेषज्ञ डॉक्टरों तथा स्टाफ से संवाद किया, उपस्थित स्कूली छात्राओं से चर्चा की उनको स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के संबंध में परामर्श दिया। शिविर में हृदय रोग से संबंधित मिले दो बच्चों के पालकों को समझाइश दी कि बच्चों को ईको जांच के लिए जिला चिकित्सालय लेकर आए, जांच उपरांत इन्हें उच्च संस्था भोपाल में उपचार के लिए भेजा जाएगा। साथ ही उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण आहार पर लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

खंड चिकित्सा अधिकारी अधिकारी डॉ स्वाति बरखड़े द्वारा दी गई जानकारी अनुसार शिविर में पंजीयन 1572 किए गए। हीमोग्लोबिन जांच 1061, बीपी जांच 1042, सिकल सेल स्क्रीनिंग 989, शुगर जांच 1005, टीबी स्क्रीनिंग 35 एवं 22 एक्स-रे, 5 फूड बास्केट वितरण, गर्भवती माताओं 188, मानसिक रोग 40, नेत्र रोग 103, किशोर स्वास्थ्य परामर्श 106 की जांच एवं उपचार किया गया। शिविर में 43 दिव्यांगों का परीक्षण एवं जांच की गई एवं 7 की यूडीआईडी बनाई गई। स्वास्थ्य शिविर में जिला चिकित्सालय बैतूल की विशेषज्ञों की टीम द्वारा जांच एवं परीक्षण किया गया।

शिविर में जिले से आये जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ विनोद शाक्य, डीसीएम, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा अधिकारी बीईई, बीपीएम, बीसीएम स्वास्थ्य स्टाफ एवं आशा कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे। 1 अक्टूबर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर में किए 543 पंजीयन

बैतूल (निप्र)। जिले में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान 17 सितंबर से प्रारंभ किया गया है, जो आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चलेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 27 सितम्बर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में शिविर का आयोजन किया गया। खंड चिकित्सा अधिकारी अधिकारी डॉ सचिन आहतकर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान एवं सेवा पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि श्री मनोज जगताप, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री विनय जितपुरे, श्री गोर्वधन राने, जनपद सदस्य श्री गुलाब सिंह, सरपंच मांडवी श्रीमती रामप्यारी हारोड़े, पार्षद श्री अजय पोटफोडे एवं श्री फारूख काजी द्वारा किया गया। शिविर में कुल पंजीयन 543 किये गये। हीमोग्लोबिन जांच 296, बीपी जांच 124, सिकल सेल स्क्रीनिंग 121, अस्थि रोग 43, नेत्र रोग 43, मानसिक रोग 41, शिशु रोग 14, टीबी स्क्रीनिंग 82, नाक कान गला 22, एएनसी 29, दंत रोग 32, स्त्री रोग 82, अन्य मरीज 18 की जांच एवं उपचार किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में जिला चिकित्सालय बैतूल की विशेषज्ञों की टीम द्वारा जांच एवं परीक्षण किया गया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्री रामचरण इरपाचे, चिकित्सा अधिकारी डॉ सचिन मीणा, बीपीएम, बीईई, स्वास्थ्य स्टाफ एवं आशा कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे। 29 सितम्बर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक मोक्षधाम गांधी वार्ड के शिविर में किए 374 पंजीयन शहरी क्षेत्र प्रभारी नोडल अधिकारी डॉ केदार जाटव द्वारा दी गई जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक मोक्षधाम गांधी वार्ड में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान अंतर्गत 27 सितम्बर को शिविर आयोजित किया गया। जिसमें शिविर का शुभारंभ जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, श्री विकास मिश्रा, पार्षद गांधी वार्ड श्री वरूण धोटे, श्री पर्वतराव धोटे द्वारा किया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय बैतूल से स्त्री रोग चिकित्सक डॉ मोनिका पवार, दंत चिकित्सक डॉ शुभांजली बंसोड, महिला चिकित्सक डॉ शिखा घिघोड़े, डॉ वैशाली भूमरकर द्वारा मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। शिविर में कुल पंजीयन 374 किये गये। बीपी जांच 44, शुगर जांच 44, दंत रोग 72, टीबी स्क्रीनिंग 106, सिकल सेल स्क्रीनिंग 116, हीमोग्लोबिन जांच 116, एएनसी जांच 2, टीकाकरण 20, किशोर स्वास्थ्य परामर्श 197 मरीज की जांच एवं उपचार किया गया। शिविर में इस अवसर पर एपीएम श्री प्रकाश माकोडे, नर्सिंग ऑफीसर, शहरी क्षेत्र स्टाफ एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बैतूल (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के निर्देशानुसार 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जिले में सेवा पखवाड़ा अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य समाज में स्वच्छता, सेवा एवं सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा देना है। सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत 27 सितंबर को नेहरू युवा केंद्र के सहयोग से जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बैतूल द्वारा उद्यमिता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बैतूल के सहायक प्रबंधक श्री विपिन खोशी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, उद्यमिता विकास, स्टार्ट-अप नीति 2025 तथा उद्यमियों को मिलने वाले विभिन्न प्रोत्साहनों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर लोग अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकते हैं और नए रोजगार के अवसर सृजित कर सकते हैं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को शासन की योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

सीहोर में आयोजित चुनरी यात्रा में शामिल हुए राजस्व मंत्री श्री वर्मा

सीहोर (निप्र)। सीहोर में विशाल चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा चुनरी यात्रा में शामिल हुए। यात्रा में राजस्व मंत्री श्री वर्मा के साथ भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री सुदेश राय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर सहित अनेक जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने देवी माँ की पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, जनता के कल्याण और समाज में सद्भाव की कामना की। उन्होंने कहा कि धर्म हमें सत्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है और हमारे जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से भरता है। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री वर्मा और सांसद श्री शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। माँ शारदा, माँ दुर्गा और माँ भवानी की आराधना हमें साहस, त्याग और सेवा की भावना प्रदान करती है। धर्म का वास्तविक उद्देश्य केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें अच्छे आचरण, सत्य, करुणा और भाईचारे की राह दिखाता है। जब हम धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं, तो यह न केवल हमारी आस्था को सशक्त बनाता है, बल्कि सामाजिक एकता और राष्ट्रीय भावना को भी मजबूती देता है। उन्होंने कहा कि हमें धार्मिक अनुष्ठानों से मिली प्रेरणा को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए और समाज में प्रेम, शांति और सहयोग का वातावरण निर्मित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में धर्म और अध्यात्म से जुड़ना बेहद आवश्यक है। भौतिकवाद की भागदौड़ के बीच धर्म ही हमें संयमित, सहिष्णु और समाजोपयोगी जीवन जीने की शिक्षा देता है।

संक्षिप्त समाचार

कुसुम महाविद्यालय सिवनी मालवा में सेवा पखवाड़ा अंतर्गत स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग हेतु शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन, आयुक्त शिक्षा के निर्देशानुसार एवं कुसुम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उमेश कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में शुक्रवार को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहन एवं जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं एवं महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने यह शपथ ली कि वे अपने दैनिक जीवन में अधिकतम स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करेंगे। यह संकल्प निश्चित रूप से छात्राओं एवं स्टाफ के लिए प्रेरणादायी एवं उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार निरापुरे, सुश्री सुदर्शना राज, डॉ. सरिता नागवंशी, कु. आकांक्षा पांडे सहित महाविद्यालय का संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत जिलेभर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से जिले में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जिलेभर में स्वास्थ्य संस्थाओं पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर महिलाओं, किशोरियों, बच्चों एवं अन्य सभी नागरिकों स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी क्रम में 27 सितंबर को अभियान के तहत जिलेभर में आयोजित शिविरों में 14,010 महिलाओं, किशोरियों एवं पुरुषों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की ऑफिसर इंचार्ज डॉ किरण वाडिया ने बिलकिसगंज सीएचसी एवं खारी में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में दी जा रही सेवाएं देखीं और सभी गतिविधियां प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। जिले में 11 स्कूलों में शिविर आयोजित कर 891 बालिकाओं की एनीमिया जांच अभियान के तहत आरबीएसके की टीम द्वारा जिले के शासकीय उत्कृष्ट स्कूल, पीएमश्री शासकीय एमएलबी स्कूल सहित 11 स्कूलों में कैंप आयोजित कर 891 बालिकाओं की एनीमिया जांच की गई और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके साथ ही मासिक धर्म के समय स्वच्छता एवं पोषण आहार के बारे में शिक्षा दी गई।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से वृद्धजनों का तीर्थ यात्रा का सपना हो रहा साकार

रायसेन (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक तीर्थ स्थलों की निःशुल्क यात्रा कर अपने तीर्थ दर्शन के सपने को साकार कर रहे हैं। योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों तक आवागमन हेतु परिवहन की व्यवस्था रहती है ! जिसमें यात्रा, भोजन, आवास और अन्य सुविधाओं का खर्च राज्य सरकार वहन करती है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत बुधवार को रायसेन से 200 तीर्थ यात्री तिरूपति तीर्थ यात्रा हेतु रवाना हुए।

केन्द्रीय मंत्री श्री उइके ने हरदा में पौधारोपण किया

हरदा (निप्र)। भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने शनिवार को एल.आई.जी कॉलोनी में स्थित ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत निर्मित नमो उद्यान में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आम, आंवला, जामुन, अमरूद का पौधा लगाया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेंद्र शाह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत, पूर्व विधायक टिमरनी श्री संजय शाह, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री कमलेश पाटीदार सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी व नागरिकों ने उपस्थित थे।

शारदीय नवरात्र में आयोजित कन्या भोज में सम्मिलित हुए

केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने शनिवार को शासकीय नवीन हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूल में संचालित पं. दीनदयाल अंत्योदय रसोई में आयोजित कन्या भोज में सम्मिलित हुए एवं इस दौरान कन्याओं को भोजन परोस कर उन्हें गिफ्ट वितरित किये।

सांसद एवं विधायक ने किया शिविर का शुभारंभ, दिव्यांगजनों को किए सहायक उपकरण वितरित

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही जिले में भी सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत सीहोर के पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जिला स्तरीय दिव्यांगता चिन्हांकन एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का शुभारंभ भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा एवं विधायक श्री सुदेश राय ने किया। इस अवसर पर उन्होंने डीडीआरसी द्वारा चिन्हित 22 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरित किए।

कार्यक्रम में एलिम्को उज्जैन के विशेषज्ञों द्वारा 28 दिव्यांगजनों को चिन्हांकित किया गया है जिन्हें सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर सांसद श्री शर्मा एवं विधायक श्री राय ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं। उनके जीवन को सरल और गरिमामय बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार योजनाएँ चला रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में देशभर में 'सुगम्य भारत अभियान' और दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य है कि दिव्यांगजन भी आत्मनिर्भर होकर सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार भी निरंतर दिव्यांगजनों की सुविधा और अधिकारों के लिए काम कर रही है।

सहायक उपकरण और कृत्रिम अंग केवल साधन नहीं हैं, बल्कि ये उनके जीवन में आत्मविश्वास और स्वाभिमान जगाने का माध्यम हैं। सांसद श्री शर्मा ने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान का मूल उद्देश्य हर वर्ग तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। कार्यक्रम में एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला, श्री सुरेंद्र मेवाड़ा, श्री सुदीप प्रजापति, उप संचालक श्री महेश यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिला मेडिकल बोर्ड के डॉक्टर एवं विशेषज्ञ, नागरिक तथा दिव्यांगजन उपस्थित थे।

सीहोर में दिव्यांगता चिन्हांकन एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित

21वीं सदी के जीवन कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बनेंगे विद्यार्थी

सक्षम जीवन कौशल शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन

बैतूल (निप्र)। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग बैतूल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी 6 जनजातीय विकासखंडों के शिक्षकों का एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 सितम्बर 2025 को जनजातीय कार्य विभाग बैतूल के मीटिंग हॉल में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में कुल 53 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का निरीक्षण सहायक आयुक्त श्री विवेक कुमार पांडेय ने किया। उन्होंने सक्षम कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों को मार्गदर्शन प्रदान किया और निर्देश दिए कि जीवन कौशल सत्रों को अनिवार्य रूप से समय-सारणी से जोड़ा जाए। साथ ही अनुपस्थित शिक्षकों और सत्र का आयोजन न करने वाले शिक्षकों की समीक्षा की गई। श्री पांडेय ने यह भी निर्देश दिए कि जीवन कौशल सत्रों के आयोजन उपरांत उनकी रिपोर्टिंग समय पर सुनिश्चित की जाए7 सहायक संचालक श्री सुनील कुमार जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम विद्यालयों के असंतुष्ट प्रदर्शन पर शिक्षकों से चर्चा करते हुए सक्षम जीवन कौशल सत्रों की समय पर रिपोर्टिंग पर बल दिया।

प्रशिक्षण के दौरान जीवन कौशल शिक्षा के महत्व और प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। वर्ष 1 और 2 के जीवन कौशल मॉड्यूल पर विचार-विमर्श हुआ। इसी क्रम में ब्लॉक मैनेजर मीना सतनकार ने डेमो सत्र (सत्र क्रमांक 7) का आयोजन कर वास्तविक शिक्षण विधियों का प्रदर्शन किया। ट्रेनिंग मैनेजर प्रीति द्विवेदी ने जेंडर ट्रांसफॉर्मेटिव दृष्टिकोण पर सत्र लेते हुए जेंडर असमानताओं की पहचान और उन्हें दूर करने के उपायों पर शिक्षकों से संवाद किया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक निष्ठा सौदावत ने सक्षम कार्यक्रम के पूर्व वर्षों की उपलब्धियों और अनुभवों का विश्लेषण प्रस्तुत किया। साथ ही सक्षम कॉम्पोनेंट्स और सेशन रिपोर्टिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तृत मार्गदर्शन भी दिया। इस प्रशिक्षण में चाइल्ड प्रोटेक्शन एंड सेफगार्डिंग विषय पर विशेष सत्र का आयोजन ब्लॉक मैनेजर श्री मेहरबान सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने बाल संरक्षण नीतियों और शिक्षक की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। सभी शिक्षकों ने संकल्प लिया कि वे विद्यालयों में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव लाकर बच्चों के लिए बेहतर और सुरक्षित माहौल तैयार करेंगे।इस अवसर पर ब्लॉक मैनेजर इंद्रासेन नागले का भी सहयोग रहा।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने थाना कुरवाई के तीन एवं थाना बासौदा शहर में दर्ज एक प्रकरण के फरार आरोपियों की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए नगद इनाम क्रमशः दस-दस हजार रूपए देने की घोषणा की है। थाना कुरवाई के दर्ज तीन अपराध प्रकरण क्रमांक 359/2014 के फरार आरोपी व्यपहृत सोनू पुत्र नानदाउ बैगा (आदिवासी) उम्र 12 साल निवासी ग्राम झाला थाना चंदिया जिला उमरिया एवं अज्ञात आरोपी तथा अपराध प्रकरण क्रमांक 56/2024 के फरार आरोपी व्यपहृत गोविन्द पुत्र कंछेदी लाल कुशवाह उम्र 12 साल निवासी ग्राम खजरोद थाना कुरवाई जिला विदिशा एवं अज्ञात आरोपी तथा अपराध प्रकरण क्रमांक 54/2014 की फरार आरोपी व्यपहृता कु. बबली पुत्री मनका आदिवासी उम्र 12 साल निवासी रोशन पिपरिया कुरवाई जिला विदिशा एवं अज्ञात आरोपी और बासौदा शहर विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 703/2025 के फरार आरोपी धर्मेन्द्र पुत्र इमरत सिंह रैकवार निवासी वार्ड क्रमांक तीन नई बस्ती बासौदा जिला विदिशा की सूचना देने, गिरफ्तारी में मदद करने वालो के लिए क्रमशः दस-दस हजार रूपए नगद इनाम घोषित किया गया है सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

सहायक उपकरणों से दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी: केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री उइके

135 दिव्यांगों को 236 सहायक उपकरण वितरित

हरदा (निप्र)। भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके ने कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। सेवा का कार्य अनंत में पहुँच कर दस गुना प्रतिफल देता है। जिले के दिव्यांगों को प्रदान किये जा रहे सहायक उपकरण उनको आत्मनिर्भर बनने में मददगार सिद्ध होंगे। यह उपकरण साधन नहीं अपितू दिव्यांगों को शक्ति, आत्म विश्वास व नई उड़ान का प्रतीक हैं। यह उनके हुनर के विकास में सहयोगी बनेंगे। श्री उइके ने शनिवार को स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा सेवा पखवाड़े के तहत एडिप योजनार्न्तगत आयोजित दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरण शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, पूर्व कृषि मंत्री श्री कमल पटेल, पूर्व विधायक टिमरनी श्री संजय शाह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गेहलोत, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक श्री शशांक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद थे। शिविर में 135 दिव्यांगों को 25 लाख की लागत के 236 उपकरण वितरित किये गये। शिविर को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि जिले के मूक बधिर एवं दृष्टिहीन दिव्यांगों को आईटी उपकरणों के उपयोग एवं ब्रेल लिपि का प्रशिक्षण देने की कार्य योजना तैयार की गई है, जिससे उन्हें अपने हुनर का विकास करने में मदद मिलेगी। शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह ने सभी उपस्थित दिव्यांगों से प्रदान किये गये उपकरणों का उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने की अपेक्षा की। इस दौरान पूर्व कृषि मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि यह उपकरण दिव्यांगजनों के लिये शक्ति का प्रतीक हैं। यह उनको आत्मनिर्भरता प्रदान करेंगे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा ने भी शिविर को संबोधित किया। उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री कमलेश सिंह ने बताया कि इस अवसर पर जिले के 135 दिव्यांगजनों को कुल 236 उपकरण वितरित किये गये। इनमें जनपद पंचायत हरदा के 30, जनपद पंचायत टिमरनी के 25, जनपद पंचायत खिरकिया के 25, नगर परिषद हरदा के 26, नगर पंचायत टिमरनी के 10, नगर पंचायत खिरकिया के 17 तथा नगर पंचायत सिराली के 2 दिव्यांग शामिल है।

मुख्यमंत्री ने प्राणी संग्रहालय को निहारा और पक्षियों को दुलारा

मुख्यमंत्री ने कहा 'वन्य जीव संपदा से प्रदेश समृद्ध हो रहा'

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सोमवार सुबह इंदौर के प्राणी संग्रहालय पहुंचे। यहां उनका पशु-पक्षियों के प्रति लगाव नजर आया। उन्होंने वन्य प्राणियों का अवलोकन किया। रंग-बिरंगे पक्षियों को हाथों में उठाकर आत्मीयता के साथ दुलार किया और उन्हें दाना चुगाया।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश वन्य जीव संपदा के दृष्टिकोण से लगातार समृद्ध हो रहा है। उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि श्योपुर जिले के कूनो में चीतों के आने के बाद इंदौर के प्राणी संग्रहालय में शिमोगा के जू से दो जोड़ी बायसन का आगमन हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशु-पक्षियों के साथ जुड़ाव हमें प्रकृति के और करीब लाता है। उनका संरक्षण और संवर्धन समाज की साझा जिम्मेदारी है। वन्य प्राणियों को मध्य प्रदेश का वातावरण अनुकूल लग रहा है, जिससे वे अपना वंश बढ़ा रहे हैं।

डॉ यादव ने कहा कि इंदौर के प्राणी संग्रहालय में पहले आए ज़ेब्रा की देखरेख उत्कृष्ट स्तर पर हुई, जिससे ज़ेब्रा ने यहां सफलतापूर्वक वंश वृद्धि की। आने वाले समय में इंदौर के प्राणी संग्रहालय को और बड़ी सौगात मिलने वाली है। मुख्यमंत्री ने प्राणी संग्रहालय स्थित पक्षी विहार सहित बायसन के बाड़े, स्नेक एक्वेरियम, शुतुरमुर्ग के बाड़े का भी अवलोकन किया। इस दौरान आकर्षक रंगों के भांति-भांति प्रजातियों के पक्षी मुख्यमंत्री हाथों पर आकर बैठ गए, जिन्हें उन्होंने दुलारा। उन्होंने किंग कोबरा सहित अन्य प्रजातियों के सर्पों के बारे में भी जानकारी ली। कहा कि पशु-पक्षी केवल चिड़ियाघरों की शोभा नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय तंत्र का अभिन्न हिस्सा हैं। इनके प्रति संवेदनशील होना हर नागरिक का कर्तव्य है।

मप्र में टीम इंडिया की जीत पर जश्न

भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत कई शहरों में लोगों ने मनाई खुशियां, गरबा पंडालों में झूमे फैन्स

भोपाल (नप्र)। दुबई में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर एशिया कप क्रिकेट जीत लिया है। 147 रन का टारगेट भारत ने 20वें ओवर की चौथी बॉल पर ही पूरा कर लिया। रिंकू सिंह ने चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई।

टीम इंडिया की इस जीत पर मध्यप्रदेश में भी जश्न का माहौल है। लोग तिरंगा लहराकर, आतिशबाजी कर, नाच-गाकर एक-दूसरे को बधाई दे रहे हैं। गरबा पंडालों में भी लोग टीम इंडिया की जीत पर झूमे। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन समेत कई शहरों में लोगों ने भारतीय टीम की जीत पर जश्न मनाया।

सीएम ने दी टीम को बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप की विजयश्री पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम पर हमें गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को हर क्षेत्र में धूल चटाने का काम जारी है।

सीएम ने ऑन करवाई मोबाइल की टॉर्च- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के मां कनकेश्वरी नवरात्रि उत्सव पंडाल में टीम इंडिया की जीत का जश्न मनाया। उन्होंने पंडाल में मौजूद लोगों से उनके मोबाइल की टॉर्च ऑन करवाई और भारत माता की जय के नारे लगाए। साथ ही 'सुन ले बेटा पाकिस्तान, बाप है तेरा हिंदुस्तान' के नारे भी लगवाए।

गरबा पंडालों में जमकर मनाया जश्न

वहीं भोपाल में अभिव्यक्ति गरबा पंडाल में टीम इंडिया की जीत का जश्न मना। इंदौर के राजवाड़ा पर उमड़े युवा। जमकर आतिशबाजी की। उज्जैन में युवतियां भी टीम इंडिया की जीत पर जमकर झूमी और जश्न मनाया। ग्वालियर में भी लोग घरों से बाहर निकले और तिरंगा लहराकर खुशी जताई।

मंदसौर में देशभक्ति गीतों पर झूमे लोग- मंदसौर जिले के सुवासरा में नवज्योति गरबा मंडल में भारत की जीत का जश्न मनाया गया। यहां बड़ी संख्या में लोग देशभक्ति गीतों पर झूमे और खुशी का इजहार किया।

पुलिसकर्मियों ने भी लहराया तिरंगा

उज्जैन में टावर चौक पर तैनात पुलिस अधिकारियों ने टीम इंडिया की जीत पर खुशी मनाई। हाथ में तिरंगा लेकर लहराया और भारत माता की जय के नारे लगाए।

एनएसयूआई नेता साइबर फ्रॉड में गिरफ्तार, पाक कनेक्शन का शक

भोपाल में 5000 के कमीशन पर 250 अकाउंट खुलवाए, 3 करोड़ की ठगी; बिहार से गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के छात्र और एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष अमन कुमार का नाम एक बड़े साइबर फ्रॉड में सामने आया है।

आरोप है कि अमन ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर लोगों को सरकारी योजनाओं का लालच देकर भारतीय डाक भुगतान बैंक के 250 से अधिक खाते खुलवाए, जिनका इस्तेमाल करीब 3 करोड़ रुपए के संदिग्ध लेन-देन के लिए किया गया। ये खाते उसने भोपाल में पढ़ाई के दौरान खुलवाए थे। इस पूरे नेटवर्क के तार पाकिस्तान तक जुड़े होने की बात सामने आई है। इसके अलावा, बिहार में इस नेटवर्क को लीड राजपुर पटखौलिया पंचायत के सरपंच मोहन दास का बेटा विशाल कुमार कर रहा था। यह खुलासा बिहार के मोतिहारी में हुई पुलिस की कार्रवाई के बाद हुआ। पुलिस ने आरोपियों के पास से 4 मोबाइल भी जब्त किए है।

मूल रूप से बिहार का रहने वाला है अमन

अमन एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का थर्ड ईयर का छात्र है। वह बिहार के खाप गोपालपुर का रहने वाला है। मोतिहारी से 12वीं कक्षा में पढ़ते हुए एक अन्य स्टूडेंट और गिरोह में उसके साथी इरशाद से उसकी मुलाकात हुई थी। इरशाद ने ही अमन की दोस्ती पाकिस्तान में बैठे अरशद से कराई। यही तीनों मिलकर लोगों को लूटने का काम कर रहे थे। एनएसयूआई के प्रदेश अमन पठान के मुताबिक अमन कुमार को एमसीयू में एनएसयूआई का अध्यक्ष बनाया गया था, लेकिन वह एक्टिव नहीं था, इसलिए उन्हें हटा दिया था।पुलिस ने आरोपियों के पास से 4 मोबाइल जब्त किए हैं।

हर खाते पर 2500 से 5000 रुपए मिलते थे

जांच में पता चला कि अमन कुमार भोपाल में रहते हुए, बीते दो साल से खाते खुलवाने का काम कर रहा था। बिहार के लोगों के अलावा उसने भोपाल में भी खाते खुलवाए। जिसके बाद हाल ही में भोपाल से मोतिहारी पहुंचा था। उसे हर खाते पर 2500 से 5000 रुपए मिलते थे। इसके अलावा कई बार खाते से होने वाले लेनदेन में भी उसकी हिस्सेदारी रहती थी। अमन ने पूछताछ में बताया कि उसकी दोस्ती सोशल मीडिया के जरिए इरशाद से हुई थी। इरशाद ने उसे खाता उपलब्ध कराने पर प्रति खाता 2,500 से 5,000 रुपए देने का लालच दिया। अमन ने यह बात अपने दोस्त विशाल को बताई। विशाल ने निखिल और सद्दाम के साथ मिलकर सरकारी योजना का लाभ दिलाने के नाम पर ग्रामीणों से खाता खुलवाया और उसमें फॉड का पैसा मंगवाने लगा।

500 रुपए का लालच देकर खुलवाता था अकाउंट- मोतिहारी में आरोपियों से पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि इन तीनों ने 500 रुपए का लालच देकर इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक में 250 से ज्यादा खाते खुलवाए। इन खातों का इस्तेमाल 3 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के पैसे के लेन-देन के लिए किया गया। खाताधारकों ने अपने पासबुक मांगे, तो उन्हें बताया गया कि खाते बंद हो गए हैं। उन्होंने सरपंच और उसके बेटे से पैसे आने के बारे में पूछा तो उन्हें टाल दिया गया। बाद में, बैंक ने खातों पर रोक लगाने और पुलिस द्वारा खाताधारकों को नोटिस जारी करने के बाद यह पूरा खेल सामने आया।

12वें भोपाल विज्ञान मेले में एम.पी. ट्रांसको को मिला प्रथम स्थान

भोपाल (नप्र)। विज्ञान भारती मध्य भारत प्रांत के तत्वावधान में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, स्थित ज्ञान विज्ञान भवन में आयोजित 12वें भोपाल विज्ञान मेले में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के स्टॉल को शासकीय वर्ग मे प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। विज्ञान मेले के समापन समारोह में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह पुरस्कार प्रदान किया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने एम.पी. ट्रांसको को इस सफलता पर बधाई दी है।

नवाचार और अत्याधुनिक तकनीकों का हुआ प्रदर्शन- 26 सितंबर से प्रारंभ हुए इस मेले में एम.पी. ट्रांसको का स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। स्टॉल में एम.पी. ट्रांसको द्वारा मध्यप्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क में उपयोग की जा रही अत्याधुनिक तकनीकों और नवाचारों का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। इनमें चार्ज ट्रांसमिशन लाइन पर हॉटलाइन तकनीक और वेयर हेंड तकनीक से सुधार कार्य, गैस इंसुलेटेड स्विचगियर (जी.आई.एस.) तकनीक से संचालित एक्स्ट्रा हाईटेंशन सबस्टेशन के मॉडल सहित अनेक तकनीकी डिस्प्ले प्रमुख आकर्षण रहे। विद्यार्थियों और आगंतुको ने ट्रांसमिशन सिस्टम की बारीकियों को जिज्ञासा और उत्साह से समझा। शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने भी गत दिवस ट्रांसको के स्टॉल का अवलोकन कर ट्रांसमिशन सिस्टम में नई-नई तकनीकें और नवाचार के उपयोग को सराहनीय बताया था।

पीएम एक्सीलेंस हमीदिया कॉलेज बिल्डिंग का हिस्सा गिरा

- **मरम्मत के लिए कई बार लिखे थे पत्र, जो हिस्सा गिरा वहां से 10 मिनट पहले निकले थे प्रधानाचार्य**

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस हमीदिया कॉलेज के जर्जर भवन का हिस्सा सोमवार को गिर गया। गनीमत यह रही कि मौके पर क्षतिग्रस्त गलियारे में कोई मौजूद नहीं था। हालांकि, प्रधानाचार्य अनिल सेवानी के मुताबिक हादसे से 10 मिनट पहले ही वे यहीं से गुजरे थे। हमीदिया कॉलेज के प्रधानाचार्य ने बताया कि जर्जर भवन की मरम्मत को लेकर कई बार पूर्व में पत्र लिखे गए थे। लेकिन, उनपर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जर्जर भवन, बच्चों के लिए कक्षाएं कम

पहले कॉलेज सिर्फ आर्ट और कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए था। बाद में इसमें साइंस से जुड़े कोर्स भी शुरू किए गए। जिसके कारण यहां बच्चों की क्लासेस लगाने के लिए जगह कम पड़ रही थी। अभी हादसा हो जाने के बाद प्रभावित हिस्से में मौजूद ऊपरी क्लासों में भी कक्षाएं नहीं लगा सकेंगे। हमीदिया कॉलेज को प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज का दर्जा दिया गया है। इसके बाद अब तक यहां जरूरी निर्माण कार्य नहीं हो सके हैं। जिससे एक्सीलेंस कॉलेज का लाभ बच्चों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

7 साल पहले पूरा ब्लॉक गिरा

कॉलेज की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष देवेंद्र रावत के अनुसार, 7 साल पहले कॉलेज का सी ब्लॉक पूरी तरह तालाब में समा गया था। इस घटना के बाद कॉलेज में नए भवन के निर्माण के कई वादे किए गए थे। लेकिन अब तक वह सिर्फ कागजों तक सिमटे हुए हैं। अब यह एक नया हादसा हो गया और निर्माण कार्य का अब तक कुछ पता नहीं है। नगर निगम से लेकर जिम्मेदारों को कई बार हमने इस तरह की घटना होने का अंदेशा जताया था। जिस पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

वो मैगी बना रहे, मैं रोटी... मां से कॉल पर आखिरी बात

फिर हमेशा के लिए सो गई 24 साल की नवविवाहिता

मैहर (नप्र)। जिले में रविवार देर रात एक फाइनेंस कंपनी में काम करने वाली 24 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला के पति का कहना है कि विवाद के बाद पत्नी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली, जबकि मायके वालों ने पति पर ही मैगी में जहर मिलाकर देने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला के परिवार वालों का कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले 10 लाख रुपए दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित कर रहे थे। फिलहाल पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मरने से पहले महिला ने मां से की थी बात

मृत महिला की पहचान सचि मिश्रा (24) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से सतना के सभापुर की रहने वाली थी। मैहर में एक फाइनेंस कंपनी में काम करती थी। उसकी शादी 2023 में रीवा के सिमरिया निवासी अतुल मिश्रा (27) से हुई थी, जो एक प्राइवेट बैंक में कर्मचारी है। दोनों मैहर के हरनामपुर रोड पर किराए के मकान में रहते थे। सचि के भाई रजनीश तिवारी ने बताया कि घटना से कुछ देर पहले ही सचि ने फोन पर अपनी मां से बात की थी। उसने बताया था कि मैं रोटी बना रही हूं और वो (पति अतुल) मैगी बना रहे हैं।

भाई ने महिला के पति पर लगाया गंभीर आरोप

भाई का आरोप है कि इसी मैगी में जहर मिलाकर अतुल ने उसकी बहन को मार डाला। उसने कहा कि यह सोची-समझी साजिश है। रात 9 बजे घर में कीटनाशक कहां से आया? रजनीश ने यह भी आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही अतुल और उसके घरवाले 10 लाख रुपए, प्लॉट और गाड़ी की मांग को लेकर सचि के साथ आए दिन मारपीट करते थे। उसे मायके वालों से बात भी नहीं करने देते थे।

पति ने बताया सचि ने खुद खाया जहर

आरोपी पति अतुल ने पुलिस को बताया कि रविवार रात किसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। जिसके बाद वह गुस्से में घर से बाहर चला गया था। जब वह रात करीब 10 बजे लौटा, तो सचि ग्लास में कुछ घोलकर पी रही थी। उसे पीने के बाद वह बेहोश हो गई। जब उसे अस्पताल ले गया तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीधी जिला अस्पताल में आईसीयू में अचानक हुई ऑक्सीजन बंद

9 बच्चों की जान पर बन आई, 4 मिनट में टली बड़ी दुर्घटना टली

सीधी (नप्र)। जिला अस्पताल के आईसीयू वार्ड में सोमवार, 29 सितंबर 2025 को दोपहर करीब साढ़े बारह बजे एक गंभीर घटना सामने आई, जब असामाजिक तत्वों द्वारा ऑक्सीजन पाइपलाइन का कनेक्शन अचानक बंद कर दिया गया। इस कृत्य के कारण पाइपलाइन में ऑक्सीजन का दबाव कम हो गया, जिससे आईसीयू में भर्ती नौ बच्चों की जान खतरे में पड़ गई, जो जीवन रक्षक ऑक्सीजन पर निर्भर थे। सिविल सर्जन डॉ. खरे ने स्थिति की गंभीरता को तुरंत समझते हुए मात्र चार मिनट के भीतर ऑक्सीजन आपूर्ति को पुनः चालू करवा दिया, जिससे सभी बच्चों की जान बच सकी और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। अस्पताल प्रबंधन ने इस मामले में सिटी कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

मां दुर्गा की अनोखी साधना!

भूखे-प्यासे महिला ने ली है समाधि, सपने में माता रानी आईं-परिवार का दावा

छतरपुर (नप्र)। जिले के धरमपुरा में रहने वाली 45 साल की कमला अहिरवार इन दिनों देवी माता की कठोर साधना कर रही हैं। कमला ने धसान नदी के किनारे जमीन के अंदर समाधि ली हुई है। उन्होंने 9 दिनों तक देवी मां की आराधना करने का निर्णय लिया है।

उनके परिवार के लोग आसपास पहरा दे रहे हैं। उनकी देखरेख कर रहे हैं। कमला ने 9 दिनों से ना तो कुछ खाया-पिया है और ना ही किसी से बात की है। कमला के पति प्रकाश अहिरवार बताते हैं कि उनकी पत्नी पिछले 9 सालों से देवी माता की आराधना कर रही हैं। 9 सालों तक उन्होंने अपने शरीर में जवारे उगाए हैं और कई दिव्य स्थान पर जाकर उनका विसर्जन किया है। इस वर्ष दसवीं साल है। इसी वर्ष उन्हें इस तरह की प्रेरणा हुई कि उन्हें जमीन में समाधि लेते हुए माता की आराधना करनी है। इसी वजह से नवरात्रि के पहले दिन से ही उन्होंने जमीन में समाधि ले ली और अब हम लोग बाहर उनकी देखरेख कर रहे हैं।